हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलवार | 18 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 48 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

हमारा अर्थशास्त्र, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है : आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका अर्थशास्त्र महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, ह्यह्यकी अपेक्षा हमारा अर्थशास्त्र बेहतर है। उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा 7500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है ?मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आयी है जिसमें उन्होंने महाकुंभ को कथित तौर पर ह्यह्यफालतूह्लह्ल करार दिया था। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों की संख्या अगर 60 करोड़ तक पहुंचती है तो उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सवा तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी।

ज्ञानेश कुमार बने मुख्य चुनाव आयुक्त: अधिसूचना जारी,

बैठक में राहुल गांधी ने जताई थी आपत्ति

मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए गए ज्ञनेश कुमार केरल कैडर 1988 बैच के आईएएस हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय में सचिव रहे हैं। वह राजीव कुमार की जगह लेंगे, जो 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। 17 फरवरी को उनके नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी गई।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता चयन समिति ने ज्ञानेश कुमार को देश का मुख्य चुनाव आयुक्त चुना है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी कर दी। वह राजीव कुमार की जगह लेंगे। राजीव कुमार मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्ति की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में सर्च कमेटी का गठन की थी। जिसने सचिव स्तर के 5 अधिकारियों के नामों की सूची चयन समिति को सौंपी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस पर आपत्ति जताई थी, लेकिन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने ज्ञानेश का नाम फाइनल कर राष्ट्रपति को भेज दिया।

कैसे होता है उएउ का चयन?

मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल वैसे तो छह वर्ष का होता है, लेकिन सेवानिवृत्ति के लिए निर्धारित 65 वर्ष

की उम्र पूरी करते ही कई बार उन्हें पद छोड़ना पड़ता है। ज्ञानेश कुमार नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा उएउ नियुक्त किए जाते थे। सामान्य तौर सबसे सीनियर चुनाव आयुक्त को ही मौजूदा सीईसी का उत्तराधिकारी चुन लिया जाता था।

चुनाव आयोग की संरचना

भारत में तीन सदस्यीय चुनाव आयोग है। इसमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्त होते हैं। तीनों ओहदा लगभग बराबर है, लेकिन मुख्य न्यायाधीश की तर्ज पर सीईसी भी अन्य दो आयुक्तों की अपेक्षा ज्यादा महत्व रखते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार 8 फरवरी को सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए चयन समिति ने एक नाम पर फैसला करने के लिए सोमवार को बैठक की। समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हैं। हालाँकि, कांग्रेस ने सुझाव दिया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई तक सीईसी के चयन के लिए बैठक स्थगित कर दे। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि आज मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के चुनाव से जुड़ी बैठक हुई। कांग्रेस पार्टी का मानना ??है कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 19 फरवरी को मामले की सुनवाई होगी और कमेटी का संविधान कैसा हो,

'चुनाव आयोग बलि का बकरा': विदाई भाषण में छलका CEC राजीव कुमार का दर्द; विपक्षी दलों का दे डाली नसीहत

एजेंसी

नई दिल्ली: मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार 18 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, लेकिन जाते-जाते उन्होंने विपक्षी पार्टियों को बड़ी नसीहत दे डाली। किसी पार्टी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कुछ दल अपनी चुनावी असफलता स्वीकारने को तैयार नहीं होते और एउककी निष्पक्षता पर सवाल उठाने लगते हैं। यह गलत प्रवृत्ति है। इसका अंत होना चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार सोमवार (17 फरवरी) को अपने विदाई भाषण को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को उन लोगों द्वारा बलि का बकरा बनाया गया है, जो चुनावी नतीते स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। उनका अप्रत्यक्ष निशना कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर था। चुनाव अधिकारियों को निशाना बनाना चिंता का विषय राजीव कुमार ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, लेकिन चुनावी नतीजों के बाद अक्सर उसे गलत तरीके से दोषी ठहराया जाता है। परिणाम के बाद चुनाव अधिकारियों को निशाना बनाने की यह प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। आपत्ति और अपील के बिना संदेह अनुचितसीईसी राजीव कुमार ने बताया कि उम्मीदवार और राजनीतिक पार्टियों को हर चरण में पूरी पारदर्शिता के साथ शामिल होती हैं। इस दौरान उन्हें आपत्ति दर्ज कराने भरपूर मौका भी दिया जाता है, लेकिन बिना आपत्ति और अपील के इस तरह संदेह पैदा करने का प्रयास अनुचित है। हमेशा संवाद को प्राथमिकता देंराजीव कुमार ने राजनीतिक दलों से हार के बाद चुनाव आयोग को दोषी ठहराने की प्रथा बंद करने का आह्वान किया। कहा, यह परेशान करने वाली प्रवृत्ति है। इसे छोड़ दिया जाना चाहिए। कहा, हमने हमेशा संवाद को प्राथमिकता दी है।

समान्य भूकंप ने क्यों दिए तेज झटके? सरकार ने संभावित झटकों की चेतावनी दी,

एजेंसी

दिल्ली की सुबह काफी खौफ में हुई। तड़के भुकंप के तेज झटको ने दिल्ली वालों का हिला दिया। दिल्ली में भूकंप तो 4.0 तीव्रता का आया है लेकिन इस भूकंप ने सभी को हिला दिया। जोरदार आवाज के साथ धरती कई सेकेंड तक कांपती रही। तेज-तेज झटकों ने लोगों को सहमा दिया। लोग जान बचाने के लिए घर से बाहर भागे। दिल्लीवासियों मे अपना अनुभव बताते हुए कहा कि आज से पहले ऐसा भूकंप नहीं देखा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:36 बजे आया, जिसका केंद्र दिल्ली के धौला कुआं में था। 4.0 तीव्रता वाले भूकंप को मध्यम (समान्य) माना जाता है, लेकिन इसकी उथली गहराई और घनी आबादी वाले इलाकों के करीब होने के कारण इसका प्रभाव सामान्य से अधिक मजबूत महसूस किया गया। जिस शहर में भूकंप का केंद्र होता है वहां पर भूकंप के झटके तेज और तेज आवाज के साथ होते हैं। क्योंकि भूकंपीय तरंगें संरचनाओं तक पहुँचने से पहले कम दूरी तय करती हैं, जिससे

अचानक जेडीयू ऑफिस पहुंच गए सीएम नीतीश; 15 मिनट रुके, मिलने के लिए उमड़े पार्टी कार्यकर्ता

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार की शाम साढ़े पांच बजे अचानक जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंचे। कार्यालय में करीब 15 मिनट तक रुके और वहां मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकताओं से मुलाकात की। इस दौरान वह कपूर्री सभागार भी गये। मुख्यमंत्री ने पार्टी दफ्तर में उपस्थित नेताओं-कार्यकताओं का कुशलक्षेम भी पूछा। बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अचानक सीएम के पार्टी कार्यालय पहुंचने पर सभी अचंभित थे। इस दौरान केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, विधान पार्षद संजय गांधी, ललन सर्राफ, पार्टी नेता छोटू सिंह, नंदकिशोर कुशवाहा, धीरज आदि मौजूद रहे।इससे पहले दिल्ली से लौटने के बाद भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर की पुण्यतिथि पर सोमवार को देशरत्न मार्ग स्थित जननायक कपूर्री ठाकुर

स्मृति संग्रहालय में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, विधायक कुमार शैलेन्द्र, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, कपूर्री ठाकुर के परिजन मौजूद रहे।20 फरवरी को प्रगति यात्रा में सीएम नीतीश कुमार नालन्दा आएंगे। इसमें जदयू के प्रखंड अध्यक्ष विजय प्रसाद सीएम को पांच मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। प्रसाद ने बताया कि ज्ञापन में सरमेरा प्रखंड मुख्यालय से राजधानी पटना, मोकामा, सरमेरा बिहारशरीफ भाया बरबीघा एवं शेखपुरा मुख्यालय जिला तक सरकारी बस चलाने, मलावां स्वास्थ्य उपकेंद्र को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उत्क्रमित करने, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रिक्त पड़े चिकित्सकों के पद पर तत्काल नियुक्ति और नगर पंचायत सरमेरा के चौमुखी विकास के लिए पर्याप्त राशि आवंटित करने की मांग शामिल है।

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति, बिहार की 90 वीं, 91 वीं तथा 92 वीं संयुक्त त्रैमासिक बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति, बिहार की 90 वीं, 91 वीं तथा 92 वीं संयुक्त त्रैमासिक बैठक होटल ताज सिटी सेंटर , पटना में सम्पन्न हुई कबैठक की अध्यक्षता राज्य के उप-मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी जी ने की तथा बैंकों द्वारा किए जा रहे काम की समीक्षा की कउन्होंने बैंको द्वारा राज्य के जमा शाख अनुपात मे वृद्धि और अउढ के 100% लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कार्य करने का सहयोग माँगा ।

उन्होंने आने वाले कृषि प्रक्षेत्र में नए नए अवसरों पर तथा के.सी.सी. सहित अन्य सरकार प्रायोजित ऋण योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को आच्छादित करने का निर्देश दिया ।बैठक में माननीय डॉ० प्रेम कुमार जी, मंत्री सहकारिता, माननीया रेणु देवी जी, मंत्री पशु एवं मत्स्य संसाधन भी उपस्थित थे । उन्होंने भी अपने-अपने विभागों से संबन्धित बैंकों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की समीक्षा की और उनमें उपलब्धि बढ़ाने का निर्देश दिया ।बैठक के प्रारम्भ में भारतीय स्टेट बैंक के उप प्रबंध निदेशक शिव ओम दीक्षित ने वर्ष 2024-25 में राज्य मे कार्यरत बैंको द्वारा वित्तीय क्षेत्र में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया ।

गौतम अदाणी ने तारापुर महाराष्ट्र साइट का किया दौरा, परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की जानकारी ली

एजेंसी

नई दिल्ली: अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी और इसके परिचालन पहलुओं की जानकारी हासिल करने के लिए तारापुर महाराष्ट्र साइट (टीएमएस) का दौरा किया। तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन (टीएपीएस) ने यह जानकारी दी। टीएमएस में दो परमाणु ऊर्जा स्टेशन हैं। प्रतिनिधिमंडल में अदाणी एनर्जी, अदाणी ग्रीन और समूह के ऊर्जा रणनीति प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन (टीएपीएस) की ओर से जारी बयान के अनुसार, रविवार को दौरे पर आए अधिकारियों को भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों और साइट प्रबंधन ने जानकारी देने वाले बल का नेतृत्व किया। बयान में कहा गया, अदाणी समूह के अधिकारियों को टीएपीएस 3 व 4 संयंत्र क्षेत्रों का दौरा कराया गया, जहां उन्हें संयंत्र संचालन का विस्तृत विवरण दिया गया।विशेषज्ञों ने प्रमुख प्रौद्योगिकी पहलुओं, सुरक्षा उपायों और भारत के ऊर्जा बदलाव में परमाणु ऊर्जा की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

तमिलनाडु में 5800 करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन की सीबीआई जांच का आदेश

एजेंसी

चेन्नई । मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के तटीय जिलों तिरुनेलवेली, तूतोकोरिन और कन्याकुमारी में निजी खनन कंपनियों द्वारा 5,832 करोड़ रुपये का कथित अवैध रेत खनन किए जाने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। इसने एजेंसी को मामले में अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का भी निर्देश दिया और कहा कि मामले में राजनीतिक सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने केंद्रीय एजेंसी से आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने को कहा। पीठ ने एक स्वतः संज्ञान जनहित याचिका, वी.वी. मिनरल्स और 29 अन्य की याचिकाओं पर आदेश पारित किया। उसने कहा कि यह अदालत इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए उपयुक्त मामला मानती है और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आपराधिक मामले दर्ज करने तथा जांच शुरू करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत ने कहा कि सीबीआई निदेशक इस घोटाले की जांच करने के लिए आवश्यक संख्या में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करेंगे, जिनमें विशेषज्ञता और उच्च निष्ठा वाले अधिकारी शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि इसके अलावा, सीबीआई निदेशक को गठित की जाने वाली एसआईटी की जांच की निगरानी करनी होगी।पीठ ने कहा कि जिस मुख्य मुद्दे की जांच की जानी चाहिए, उसमें अवैध तटीय रेत खनन माफिया की कार्यप्रणाली, अधिकारियों की भूमिका शामिल है, जो सरकारी खजाने को हुए इस भारी आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं। इसने कहा कि इस बड़े घोटाले में राजनीतिक सांठगांठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, इसलिए सीबीआई को कथित राजनीतिक सांठगांठ की

बखरी से बहादुरपुर (खगड़िया) बॉर्डर तक नए बाईपास का निर्माण स्वीकृत

निर्माण लागत: 1,35,28,26,000परियोजना की उपयोगिता एवं लाभ

एजेंसी

पटना: बेगूसराय बखरी से बहादुरपुर (खगड़िया) बॉर्डर तक नए बाईपास के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में, अलौली, बहादुरपुर और शकरपुरा से बेगूसराय जाने के लिए बखरी बाजार होकर गुजरना पड़ता है। रेलवे फाटक की समस्या से राहतः बखरी बाजार में रेल ओवरब्रिज न होने और रेलवे फाटक के बार-बार बंद रहने के कारण यात्रियों और वाहनों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है। बाईपास बनने से यह समस्या खत्म होगी। समय की बचतः वर्तमान में बखरी बाजार से होकर बेगूसराय पहुंचने में डेढ़ घंटे तक

का समय लग जाता है। बाईपास बनने के बाद यह समय काफी कम हो जाएगा। सीधा और सुगम मार्गः यह बाईपास खगड़िया और बेगूसराय के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ेगा, जिससे अलौली, बहादुरपुर और शकरपुरा के लोग बिना बखरी बाजार आए सीधे बरहा पुल के जरिए परिहारा, नावकोठी या बेगूसराय पहुंच सकेंगे। आर्थिक विकासः बाईपास के कारण भारी वाहनों की आवाजाही दिन-रात सुचारू रूप से हो सकेगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग और निर्माण गतिविधियां बढ़ेंगी। खगड़िया और बेगूसराय के ग्रामीण हिस्सों की कनेक्टिविटीः यह बाईपास खगड़िया जिले के बला सिमरी और बहादुरपुर को भी जोड़ेगा, जिससे दोनों जिलों के बीच की दूरी कम होगी। भविष्य की यातायात आवश्यकताओं के लिए मददगारः बखरी का सलोना स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आदर्श स्टेशन बनाया जा रहा है।

सिवान / दरोगा प्रसाद राय डिग्री कॉलेज में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की मनाई गई 643 वी जयंती

रोजनामा इंडो गल्फ,
सहायक संपादक
तबस्सुम नवाज,

स्थानीय दारोगा प्रसाद राय डिग्री कॉलेज के संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 643 वी जयंती मनाई गयी।इस समारोह का शुभारंभ आरती देवी प्रखंड प्रमुख सिवान द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया ।गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) आकाशवाणी के कलाकारों ने संत राम स्नेही दास जी के अगुवाई में संत रविदास जी महाराज का भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया समारोह की अध्यक्षता पूर्व एमएलसी परमात्मा राम ने की। समारोह में आगंतुक अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत मुखिया चंद्रमा राम ने किया समारोह की संचालन डॉक्टर प्रोफेसर वीरेंद्र प्रसाद यादव ने किया सभा को संबोधित करते हुए बिहार के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं सिवान सदर के विधायक श्री अवध बिहारी चौधरी ने संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कुरीतियों में सुधार करने के प्रयासों के बारे में बताया उन्होंने कर्म एवं सच्चे ज्ञान को ही मोक्ष के लिए उत्तम बताया। वह अपने कर्म के साथ-साथ ईश्वर भजन में भी लीन रहते थे उन्होंने अपने भजन से जात-पात, छुआछूत तथा वर्चस्व का विरोध किया। बिहार प्रदेश में आज भी ये बुराइयां है जिसे तोड़कर समरस समाज की ओर ले जाने की जरूरत है तभी विकसित भारत बनेगा इसमें सब का सहयोग अपेक्षित है।

प्रोफेसर डॉक्टर लाल बाबू यादव ने कहा कि आज भी संत रविदास जी एवं उनके भजन प्रासंगिक हैं क्योंकि मध्यकालीन कुरीतियों लगभग यथावत है उनसे लड़ने की जरूरत है और एक नया भारत का निर्माण करना है जिसमें सभी लोग सम्मान के साथ रहे प्रोफेसर दिनेश प्रसाद पागल ने कहा कि ईश्वर की खोज में भटकने से बेहतर है अपने अंदर की बुराइयों की समान करना इस समारोह के अन्य प्रमुख वक्ता थेः- डॉक्टर रामानंद राम, डॉक्टर बसंत कुमार, डॉक्टर हारून शैलेंद्र, प्रोफेसर महमूद हसन अंसारी प्राचार्य हरे राम कॉलेज गणेश राम, विपिन कुशवाहा, राजद जिला अध्यक्ष गोरख शाह उप प्रमुख सिवान, रविंद्र यादव बिरहिया (उत्तर प्रदेश) डॉक्टर जयप्रकाश यादव, चंद्रिका राम,भगवान जी दुबे, रमेश यादव,आलोक कुमार, कन्हैया प्रसाद यादव, डॉक्टर सुनीता यादव, अश्वत्थामा यादव, राजन राम, पेशकार बैठा, मुखिया विजय रावत, डॉक्टर मुसाफिर शर्मा, प्राचार्य राम सुंदर चौधरी, सीमा चौधरी पूर्व पार्षद आदि।धन्यवाद ज्ञापन द्वारिका राम ने किया।

पतंगबाजी के दौरान युवक छत से गिरा,पटना में इलाज में मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के तख्त टोला गांव में पतंग उड़ानें के लिए छत पर चढ़े युवक की छत से गिरने के बाद गंभीर हालत में इलाज के दौरान पटना के निजी क्लीनिक में मौत हो गई ।मृतक के पिता सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गौतम छत पर चढ़ कर पतंग उड़ा रहा था कि अचानक पैर फिसलने से छत से नीचे गिर पड़ा जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां से गंभीर हालत में इलाज के लिए पटना के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जहा इलाज के दौरान मौत हो गई ।मृतक की पहचान तख्त टोला गांव निवासी सुरेन्द्र सिंह का 18 वर्षीय पुत्र गौतम कुमार के रूप में हुई ।मृतक दो भाईयों और दो बहनों में सबसे छोटा हैं और अविवाहित हैं। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में मातम छा गया। वहीं बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह,प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू,प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह,नगर पंचायत चेयरमैन सोहन महंतों, सरपंच बिनोद प्रसाद,पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अमर सिंह,शिक्षक नेता प्रमोद सिंह,लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह,रामजी सिंह समेत अन्य ने शोक व्यक्त किया।

महाराजगंज के पूर्व सांसद के आवास पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह का हुआ भव्य स्वागत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बड़हिया टोला गांव में महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के आवास पर भोजपुरी स्टार पवन सिंह का भव्य स्वागत किया गया। मौके पर युवराज सुधीर सिंह समेत अन्य ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। युवराज सुधीर सिंह ने बताया कि भोजपुरी स्टार पवन सिंह का पानापुर के कोध भगवानपुर गांव में कार्यक्रम आयोजित था उसी कार्यक्रम में शामिल होकर मशरक के रास्ते वापस जा रहें थे। उसी दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर भोजपुरी स्टार यामिनी सिंह समेत अन्य भोजपुरी गायक और कलाकार मौजूद रहें।

आवंटित बजट ही नहीं खर्च कर पाती बिहार सरकार तो अनुपूरक बजट का क्या है औचित्य

पिछले 5 वर्षों में मूल बजट भी नहीं खर्च कर पाई बिहार सरकारः डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. सोमवार,बिहार सरकार पिछले पांच वर्षों में मूल बजट भी खर्च नहीं कर पाई है और सरकार अनुपूरक बजट जारी कर दिखावा करने का कुत्सित प्रयास किए जा रही है।व्यय नहीं होने की स्थिति में पैसे वापस लौट जा रहे हैं और जनता को मुगालते में रखकर केंद्र और राज्य साकार अपनी वाहवाही करवा रही है।ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कही।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि 2018 से लेकर 2023 तक के बजट के आंकड़ों का अध्ययन करने पर साफ दिखता है कि मूल बजट भी बिहार सरकार खर्च नहीं कर पाती है और वो रकम वापस लौट जाती है। बावजूद इसके हर साल अनुपूरक बजट जारी करने का दिखावा किया जाता है जिसका सार्थक इस्तेमाल तक राज्य सरकार नहीं कर पाती है।बिहार के आम नागरिकों के साथ ऐसे आंकड़ों को बजट के रूप में पेश करके लगातार छलावा किया जा रहा है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के नेताओं द्वारा केवल ख्याली पुलाव पकाकर दिवास्वप्न दिखाया जा रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि 2022-23 में 66509.62 करोड़ रुपए वापस गए जबकि कुल आवंटित राशि 301686.46 करोड़ रुपए हुए थे जिनका पूरा उपयोग भी बिहार साकार नहीं कर सकी थी। बिहार का विकास करने का दावा करने वाली ये डबल इंजन की एनडीए सरकार समझ ले कि वो बिहार के लोगों की मासूमियत का बेजा फायदा न उठाएं और तथ्यों पर बात करें। बिहार को स्पेशल पैकेज और स्टेटस की बात करने वाले ये समझ जाएं कि उनकी नीति आम बिहारी समझ चुके है।

सीपीआई एम के पूर्व विधायक गिरधारी राम की छठी पुण्यतिथि एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन,

रोजनामा इंडो गल्फ,
सहायक संपादक,
तबस्सुम नवाज

- भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी सिवान के तत्वाधान में बिहार के प्रमुख किसान नेता एवं सीपीआई एम के पूर्व विधायक गिरधारी राम की छठी पुण्यतिथि एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी सिवान के तत्वाधान में बिहार के प्रमुख किसान नेता एवं सी.पी.आई.एम. के पूर्व विधायक गिरधारी राम की ६ वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन स्थानीय पत्रकार भवन में को किया गया जिसकी अध्यक्षता सी.पी.आई.एम. के पूर्व जिला मंत्री अर्जुन यादव ने की जिसमे अनेक दलो के नेताओं राजनितिक कार्यकताओं एवं साहित्यकारों बुद्धिजीवियों ने भाग लिया ।सर्वप्रथम कॉ. राम के चित्र पर उपस्थित लोगो ने माल्यार्पण किया। तथा सांस्कृतिक कर्मी कमलेश्वर ओझा अवं राजेंदर मांझी ने उनके सम्मान में क्रन्तिकारी गीत प्रस्तुत किया ।सर्वप्रथम जिला मंत्री फूल मुहम्मद अंसारी ने उनके संघर्षो की चर्चा करते हुए कहा की कॉ. गिरधारी राम आजीवन शोषित पीड़ित और दलितों के लिए संघर्ष करते रहे ।उनका जीवन बेदाग था ।हम लोगो को उनका अनुशरण करना चाहिए ।मार्कण्डेय ने कहा आज की स्तिथि बड़ी भयावह हो गयी है.संविधान को बदलने की कोशिश हो रही है।शासक वर्ग कॉर्पोरेट(पूंजीपतियों) के एजेंट के रूप में काम कर रहा है ।दूसरी तरफ कर्म कांड और धर्म के नाम पर समाज में जहर घोल रहा है।रविंद्र सिंह अधिवक्ता ने कहा की आज कम्युनिस्ट पार्टी का १०० वां स्थापना वर्ष मनाया जा रहा है आज हमें वैचारिक संघर्ष को मजबूती के साथ तेज करना चाहिए भाकपा माले की ओर से विधायक अमरजीत कुशवाहा ने वामपंथी एकता को मजबूत करने का आवाहन किया। वरिष्ठ शायर कमर सिवनी ने अपनी रचना के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी ।इस अवसर पर विचार व्यक्त करने वाले में शिक्षा विद युगल किशोर दुबे प्रोफेसर उपेंद्र नाथ यादव, योगेंद्र सिंह, अजय कुमार अधिवक्ता माले नेता गौतम पांडेय सी.पी.आई. के इरफान अहमद अधिवक्ता,कांग्रेस के नवीन चंद्र वर्मा, बसपा नेता द्वारिका राम,लाईची हरिराही,डॉ. दयानन्द सिंह,इसरार अहमद अंसारी,नागेंद्र पांडेय अधिवक्ता पुष्पा देवी, दीपा कुमारी स्नेहा आंबेडकर कुमारी आकांक्षा तथा अरुण कुमार ने धन्यवाद् ज्ञापित किया।

नुक्कड़ नाटक के जरिये स्वच्छता पर किया जागरूक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत के महाराणा प्रताप चौंक पर नुक्कड़ नाटक एवं गीत संगीत के माध्यम से स्वच्छता को लेकर जागरूक किया जा रहा है। महाराणा प्रताप चौंक पर कला जत्था टीम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत नुक्कड़ नाटक, गीत संगीत व नृत्य के माध्यम से लोगो को स्वच्छता के प्रति महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी। साफ सफाई से होने वाले फायदे बताये। नाटक में मुख्य रूप से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।नाटक में दिखाया गया कि किस प्रकार गंदगी से बीमारियां फैलती हैं और साफ-सफाई से ना केवल वातावरण बेहतर होता है बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी फायदेमंद है।इसके अलावा, लोगों को सफाई के उपायों और स्वच्छता अभियान के बारे में भी बताया गया। सूखा कचरा एवं गीला कचरा को अलग अलग रखने का संदेश दिया।मौके पर आम लोगों को बताया गया कि स्वच्छ रहकर ही हम भी कई बीमारी से मुक्त रह सकतें हैं।

.-भारतरत्न जननायक कपूरी ठाकुर की 37वीं पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में दी गई

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 17 फरवरी। भारत रत्न से सम्मानित जननायक कपूर्री ठाकुर जी के 37वीं पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस मौके पर उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उन्हें याद किया गया।

कार्यालय मंत्री डॉ. प्रवीण राय पटेल ने इस मौके पर कहा कि उनका जीवन सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में हमेशा स्मरणीय रहेगा। नरेंद्र मोदी सरकार में उन्हें भारत रत्न मिलना इस बात की गवाही है कि उन्होंने दलित और पिछड़ों के मसीहा के तौर पर कितना बड़ा काम किया था, जिसे कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा नकारा ही है। मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने कहा कि जननायक कपूर्री ठाकुर हमेशा अंतिम पायदान पर बैठे लोगों का ख्याल रखते थे। उनसे प्रेरणा मिलती है कि

समतामूलक समाज बनाने की दिशा में किस तरह मजबूती से आगे बढ़ा जाए। कपूर्री ठाकुर के चित्र पर पुष्पांजलि कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में शिवनारायण महतो, डॉ. प्रवीण राय पटेल, अरविंद शर्मा, ज्ञान प्रकाश ओझा, संतोष पाठक, राजीव रंजन, सुरेंद्र तिवारी, रूपनारायण मेहता, आनंद पाठक, मुकेश शास्त्री, पुरूषोत्तम जैन सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में बाईक सवार पिता, पुत्र एवं पुत्री घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज,सीवानहुसैनगंज थाना क्षेत्र के सीवान आंदर मुख्य सड़क पर फरीदपुर में टेम्पु एवं बाईक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाईक चालक सहित उसके दो बच्चे गम्भीर रूप से घायल हो गए।उन घायलों की पहचान खैरांटी निवासी जयप्रकाश यादव और उसके पुत्र 9 वर्षीय ऋतिक कुमार एवं?? 15 वर्षीय उसकी पुत्री पूजा कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बाईक चालक जयप्रकाश यादव के दाहिने पैर का तलवा कट गया है वहीं उसके पैर में भी काफी चोटें आई है। वहीं ऋतिक के दाहिने पैर के घुटने चोटिल हो गया है।जबकि पूजा के पेट में चोट लगी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद टेम्पु चालक वहाँ से भागने में सफल रहा।ग्रामीणों ने तीनों घायलों को ईलाज के लिए हुसैनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती में कराया। थाना की पुलिस टेम्पु चालक की पहचान करने में जूट गई है।

मकान के आगे ईट रखनें के विवाद में दो पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिक , पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड -2 के सोनार पट्टी में विवादित जमीन पर ईट रख कब्जा करने का मामला अब राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई में तूल पकड़ता दिख रहा है। उक्त मामले में दोनों पड़ोसी के तरफ से मशरक थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। एक पड़ोसी अखिलेश गुप्ता पिता कामेश्वर प्रसाद ने कांड संख्या 64/25 में बताया कि आपराधिक साजिश के तहत पेट्रोल पंप संचालक उपेन्द्र सिंह, अयांश सिंह, महेश्वर सिंह के बहकावे में आकर भरत प्रसाद,रवि कुमार,मोहन साह मेरे घर के आगे ईट रख कब्जा कर आवागमन ठप्प कर दिए हैं वहीं इसी मामले में पहले मारपीट भी हुई जिसमें मशरक थाने में प्राथमिकी कांड संख्या 522/24 दर्ज कराई गई है। वहीं उन्होंने बताया कि वहीं अभी भी सभी ईट रख आने जाने के रास्ते को अवरूद्ध कर दिए हैं और परेशान कर रहें हैं। वहीं दूसरे पड़ोसी भरत कुमार पिता मोहन साह ने कांड संख्या 63/25 में बताया कि बड़हिया टोला गांव निवासी सुधीर कुमार सिंह फारच्चूनर और एक और अन्य वाहन से आधा दर्जन लोगों के साथ पहुंचे और उसके कनपटी पर रिवाल्वर भिड़ा दिए और दो सादे कागज पर उसकी संपत्ति हड़पने की नियत से हस्ताक्षर करा लिए और बोलें कि मेरा ऑडियो वायरल किए हो उसे डिलीट कर दो अन्यथा जान से मार देंगे। वहीं आपकों बता दें कि जमीन की मापी भी डीसीएलआर कोर्ट मढ़ौरा के तरफ से जमीन की मापी भी कराई गई है वहीं मामले में पंचायती भी कराई गई पर मामला राजनीतिक हस्तक्षेप की वजह से पेंचिदा बनता दिख रहा है। मामले में थाना पुलिस प्राथमिक दर्ज कर जांच में जुटी है।

अपाची सवार दो अपराधियों ने 50 हजार रुपए से भरा झोला झपटा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के सामने इसुआपुर थाना क्षेत्र के बजरहिया गांव निवासी सेवानिवृत्त आर्मी जवान मोहम्मद जावेद अली उम्र 85 वर्ष पिता स्व इज्जमत मियां ने बताया कि पेंशन की राशि 50 हजार निकाल झोले में रख पुत्र मोहम्मद अजमुलाह के साथ बैक से निकलें और मुख्य सड़क पर ई रिक्शा का इंतजार करने लगे कि डुमरसन की तरफ से आए अपाची सवार दो अपराधियों ने रूपयों से भरा झोला छीन लिया और फरार हो गए। मौके पर थाना पुलिस को सूचना दी गई पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।वहीं परिसर के बाहर दुकानों में लगें सीसीटीवी कैमरे को खंगालने में लगीं हुई है। उन्होंने बताया कि झोले में बैंक पासबुक, आधार कार्ड और पैन कार्ड समेत अन्य कागजात भी थें।

अपाची सवार दो अपराधियों ने 50 हजार रुपए से भरा झोला झपटा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के सामने इसुआपुर थाना क्षेत्र के बजरहिया गांव निवासी सेवानिवृत्त आर्मी जवान मोहम्मद जावेद अली उम्र 85 वर्ष पिता स्व इज्जमत मियां ने बताया कि पेंशन की राशि 50 हजार निकाल झोले में रख पुत्र मोहम्मद अजमुलाह के साथ बैक से निकलें और मुख्य सड़क पर ई रिक्शा का इंतजार करने लगे कि डुमरसन की तरफ से आए अपाची सवार दो अपराधियों ने रूपयों से भरा झोला छीन लिया और फरार हो गए। मौके पर थाना पुलिस को सूचना दी गई पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।वहीं परिसर के बाहर दुकानों में लगें सीसीटीवी कैमरे को खंगालने में लगीं हुई है। उन्होंने बताया कि झोले में बैंक पासबुक, आधार कार्ड और पैन कार्ड समेत अन्य कागजात भी थें।

मशरक में बाइक दुर्घटना में युवक घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के दुर्गा चौक पर अनियंत्रित बाइक के चलते बाइक पर युवक सड़क पर गिर घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल तरैया थाना क्षेत्र के डुमरी छपिया गांव निवासी नरसिंह मांझी का 18 वर्षीय पुत्र निरंजन कुमार हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। घायल ने बताया कि बाइक लेकर चालीस आरडी सुंदर गांव में रिश्तेदारी में जा रहा था।

अलग अलग दो जगहों पर सड़क दुर्घटना में दो घायल इलाज जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य मार्ग के वासुदेवपुर गांव के काली मंदिर के समीप अज्ञात बाइक की ठोकर लगने से एक महिला घायल हो गई, घायल महिला की पहचान चकमहेसी थाना क्षेत्र के बधला गांव के गणेशी राम की 50 वर्षीय पत्नी गीता देवी व दूसरी ओर मिजार्पुर गांव के एक पेट्रोल पंप के समीप अज्ञात बोलेरो की ठोकर से बाइक सवार कांग्रेस नेता बेलसंडी गांव निवासी 65 वर्षीय अनिल कुमार चौधरी घायल हो गये। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से से इलाज के लिए पीएचसी में लाया गया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर हैदर ने बताया कि दोनों घायलों का इलाज पीएचसी में जारी है।

नवादा में एनडीए का दिखा चट्टानी एकता,

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में घटक दलों के अध्यक्षों ने कहा 'विकसित बिहार NDA सरकार की प्राथमिकता'

रोजनामा इंडो गल्फ,
सहायक संपादक

- संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकताओं को सभी अध्यक्षों ने दिया एकजुटता का संदेश
- कार्यकताओं का यह समागम बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने लालू परिवार पर किया कटाक्ष, 'सामाजिक न्याय की बात करने वाले परिवार कल्याण से आगे नहीं सोचा'
- देश की संस्कृति और विरासत को एनडीए दे रही नई पहचान : डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार में विपक्ष भाजपा का विरोध करते-करते सनातन का विरोध करने लगे हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

- डॉ. जायसवाल का विश्वास, फिर बनेगी एनडीए की सरकार और बिहार का विकास अनवरत होता रहेगा
- राजद काल को बिहार की जनता कभी भूल नहीं सकती : उमेश सिंह कुशवाहा
- यह सम्मेलन एनडीए की एकजुटता का संदेश : राजू तिवारी
- 2025 चुनाव के परिणाम का ट्रेलर सभी जिलों में दिख रहा : अनिल सिंह
- 225 से अधिक सीटें जीतकर बिहार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जाएगा : मदन चौधरी

पटना, 17 फरवरी। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के चौथे चरण में आज एनडीए घटक दलों के अध्यक्ष नवादा पहुंचे। नवादा के इस सम्मेलन में घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकताओं को एकजुटता की बात करते हुए कहा कि बिहार अब विकसित बिहार बनने की राह पर चल पड़ा है। कार्यकताओं ने 225 सीटों पर जीत दर्ज कराने का भरोसा दिलाया।

इस एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के अलावा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सभी ने कार्यकताओं को एकजुट रहने की अपील की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज कहा कि अभी तक जितने भी जिलों में कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया है, वह सफल रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का यह कार्यकर्ता सम्मेलन भले ही सम्मेलन दिख रहा हो, लेकिन सही अर्थों में कार्यकताओं का यह जुटान बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का एलान है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की मानसिकता साफ परिलक्षित कर रही है कि आने वाले चुनाव में एनडीए की सरकार बनेगी और फिर बिहार का विकास अनवरत चलता रहेगा।उन्होंने कहा कि आज प्रयाग में महाकुंभ की उत्तम व्यवस्था हो या अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण, नालंदा में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हो, देश की विरासत को नई पहचान मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नए राष्ट्र निर्माण का अर्थ भी यही है कि हम अपनी संस्कृति और विरासत को सम्मान दें। विकास में इन सभी चीजों को आगे बढ़ाना है।

बाल विकास परियोजना कार्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय सभागार में एक कार्यालय लिपिक अजय कुमार के अवकाश ग्रहण को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में विदाई का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अवकाश प्राप्त कर्मी की सेवा के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि ये एक कर्तव्य निष्ठ कर्मी थे। कार्यालय के कर्मियों ने मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग, चादर, माला देकर सम्मानित किया। मौके पर रोमा कुमारी, अंजू कुमारी, विभा भारती, पूजा कुमारी, पूजा भारती, लालो राम, महेश दास आदि मौजूद थे।

बजट में भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति के भविष्य रूपी संभावनाओं का सूत्रपात किया गया: भूपेंद्र यादव

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- मशरक केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक बजट : भूपेंद्र यादव
- मोदी सरकार लंबे विजन के साथ काम कर रही : भूपेंद्र यादव
- बजट में अगर विपक्ष को कुछ नहीं दिखता तो जनता भी उन्हें नहीं देखेगी : भूपेंद्र यादव
- इंडिया ब्लॉक 'ब्लैक हॉल' में चला गया : भूपेंद्र यादव

पटना, 17 फरवरी। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने हाल ही में पेश केंद्रीय बजट 2025-2026 की तारीफ करते हुए इसे एक ऐतिहासिक बजट कहा । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है।बिहार भाजपा और बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा केंद्रीय बजट पर आयोजित एक परिचर्चा में भाग लेने के बाद बिहार इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन के सभागार में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस बजट के माध्यम से किसान अन्न धन योजना के तहत काम उपज वाले जिलों पर ध्यान दिया गया, वहीं दूसरी ओर एमएसएमई सेक्टर के विशेष विकास का भी ध्यान रखा गया। हमारे देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को देखते हुए 200 जिलों में इसी वर्ष और आने वाले तीन वर्षों में देश के सभी जिलों में डे केयर कैंसर अस्पताल के प्रावधान किए गए हैं, जिसके दूरगामी प्रभाव पड़ने वाले हैं।इस प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी उपस्थित रहे।केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव देश में फ्यूचर तकनीक और मेडिकल के विकास को देखते हुए नए आईआईटी में 6500 सीटें बढ़ाना, मेडिकल के यूजी और पीजी के 10 हजार सीटें बढ़ाना और आने वाले पांच सालों में 75 हजार सीटें बढ़ाना, यह इस बात को प्रदर्शित करता है कि यह सरकार लंबे विजन के साथ काम कर रही है।उन्होंने कहा कि इस बजट में विशेष रूप से जहां कृषि के लिए दलहन, कपास के क्षेत्र में तथा फलों और फूलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए जहां विशेष प्रावधान किए गए हैं, वहीं बिहार में सेंटर फॉर एक्सीलेंस की बात की गई है और मखाना बोर्ड की भी बात की गई है। बिहार में आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विस्तार की बात की गई है और पिछले 10 सालों में जो बढ़िया कनेक्टिविटी देखते हैं, वह मोदी सरकार में किए गए कार्यों का परिणाम है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 80 के दशक में कंप्यूटर क्रांति, 2000 में डिजिटल क्रांति आई,

डीएम के निर्देश पर बाल श्रम के खिलाफ बड़ी कार्यवाही 13 मुक्त

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:बाल श्रम पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के निर्देशन में जिला प्रशासन, विशेष किशोर पुलिस इकाई सीतामढ़ी, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) की संयुक्त पहल से जिला के डुमरा एवं पुनौरा थाना क्षेत्र में वरीय पुलिस उपाधीक्षक सह नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई मो० नजीब अनवर एवं वरीय उप समाहर्ता सह सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई प्रियंका कौशिक के संयुक्त मार्गदर्शन में बाल श्रम के खिलाफ गठित टीम ने बड़ी कार्यवाही की है । दरसल डीएम रिची पाण्डेय को नाबालिग बच्चो से बाल श्रम करवाने की सूचना मिली थी जिसके उपरांत उन्होंने त्वरित कारवाई का निर्देश दिया। बाल श्रम के खिलाफ डुमरा एवं पुनौरा थाना क्षेत्र के अलग अलग प्रतिष्ठानों से कुल 13 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाया गया है। इन मुक्त बच्चों को आगे की प्रक्रिया वी आवश्यक करवाई हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है साथ ही इन बच्चों से बाल श्रम करवाने वाले नियोजकों के विरुद्ध डुमरा एवं पुनौरा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है । गौरतलब है कि बच्चों के अधिकार एवं उनके कल्याण की रक्षा हेतु जिला में बाल श्रम के खिलाफ डीएम के निर्देश पर हो रहे इस महत्वपूर्ण बदलाव से डुमरा एवं पुनौरा थाना क्षेत्र बाल श्रम मुक्त क्षेत्र बनने की राह पर है । इस संदर्भ में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सह नोडल पदाधिकारी विशेष किशोर पुलिस इकाई मो० नजीब अनवर ने बताया की जिला प्रशासन, विशेष किशोर पुलिस इकाई सीतामढ़ी, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (बचपन बचाओ आंदोलन) के बीच सहयोगात्मक प्रयास बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, बाल श्रम के खिलाफ निरंतर थाना क्षेत्र के दुकानों प्रतिष्ठानों में की जा रही कारवाई का उद्देश्य बच्चो को बाल श्रम से बचाने एवं समुदाय के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा कर बाल श्रम मुक्त थाना क्षेत्र की परिकल्पना साकार करना है ।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा परिवार ने मनाया जननायक कपूरी ठाकुर की 37 वीं पुण्यतिथि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। सोमवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जननायक कपूरी ठाकुर का पुण्यतिथि मनाया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद ने की। आगत अतिथियों द्वारा सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरू किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा की जननायक कपूरी ठाकुर एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। जिन्होंने ग्यारहवें मुख्यमंत्री के रूप में दो कार्यकाल पूरा किए। वे जननायक के नाम से लोकप्रिय थे। जिन्हें गुदरी के लाल भी कहा जाता था। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद उपेंद्र कुशवाहा द्वारा बिहटा हवाई अड्डे का नामकरण जननायक कपूरी ठाकुर के नाम का समर्थन कर केंद्र सरकार से मांग किया गया कि बिहटा हवाई अड्डे का नाम जननायक कपूरी ठाकुर हवाई अड्डा हो। मौके पर पूर्व जिलापार्षद विभा देवी, प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह, देवशंकर राय, डॉ दिलीप कुमार चौधरी, अमरजीत कुमार, अनिल सिंह कुशवाहा, मो बसीर, नागेश्वर राम, चंद्रशेखर राय, कमल किशोर शर्मा, चंदन कुमार यादव, रामसागर महतो, धनेश्वर महतो, वालेश्वर पासवान, मो रहमत, मो अल्ताफ, भरत पासवान, रंजीत कुमार, रणधीर कुमार राय, मो प्रवेज आलम, डॉ बलराम सिंह कुशवाहा, मो अकबर, सुबोध कुमार चौधरी, जगदीश महतो, संजय चौधरी निषाद, मुकेश कुमार चौधरी, संजय कुमार राम, चंदेश्वर सिंह, मो वकील, राजन राम, विनोद राम, अरुण कुमार दास आदि मौजूद थे।

अवैध रिश्वत मांगने के आरोप में राजस्व कर्मचारी निलंबित

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के द्वारा पप्पू कुमार राम, राजस्व कर्मचारी, अंचल रुन्नी सैदपुर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है।पप्पू कुमार राम के खिलाफ लगातार रिश्वत लेने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के द्वारा मामले की जांच का आदेश दिया गया। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से संबंधित कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है। रिश्वत मांगने एवं कार्यकलाप के विरुद्ध कतिपय शिकायतों के आधार पर पप्पू कुमार राम,राजस्व कर्मचारी अंचल रुन्नीसैदपुर, मौजा अथरी अंतर्गत दाखिल खारिज वाद संख्याझ9451/2023झ24 बनाम रमेश कुमार व मृणाल कुमार के निष्पादन हेतु पप्पु कुमार राम, राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय, रुन्नीसैदपुर के अटर्नी द्वारा अवैध रिश्वत की मांग की गई थी । संबंधित ऑडियो एवं वीडियो भूमि सुधार उप समाहर्ता, सीतामढ़ी सदर को प्राप्त हुआ ।जिससे संपूर्ण घटना क्रम में पप्पू कुमार राम राजस्व कर्मचारी की संलिप्ता उजागर हुई। भूमि सुधार उप समाहर्ता सीतामढ़ी सदर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर पप्पू कुमार राम,राजस्व कर्मचारी अंचल कार्यालय रुन्नीसैदपुर को जिलाधिकारी ने निलंबित किया है। साथ ही पप्पू कुमार राम राजस्व कर्मचारी के संबंध में यथाशीघ्र विस्तृत जांच करते हुए प्रपत्र "क" गठित करने का निर्देश दिया गया है एवं निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय भूमि सुधार उप समाहर्ता पुपरी के कार्यालय में निर्धारित किया गया है ।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी अवैध रूप से रिश्वत मांगता है तो वे इसकी शिकायत तुरंत प्रशासन से करें।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, मामले की गहन जांच जारी है और दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महावीर धर्मशाला जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर परिषद ताजपुर के नीम चौक स्थित महावीर धर्मशाला का जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता एवं नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि संतोष चौधरी व डिप्टी चेयरमैन प्रतिनिधि अनिकेत कुमार अंशु के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कानू हलवाई विकास मंच के संयोजक जितेंद्र भी उपस्थित रहे। विदित हो कि ये धर्मशाला 1933 में मुंशीलाल साह के अध्यक्षता में एक कमिटी बनाकर समाज के लोगों को समर्पित किया गया था। उसके बाद पुनः 1985 में गोपाल साह के द्वारा इसका छत ढ़ालाई करवा गया और वर्तमान में धर्मशाला काफी जर्जर स्थिति में हैं इसके लिए संजीत कुमार गुप्ता के प्रयास से पुनः इसका जीर्णोद्धार के लिए 15 सदस्यीय कमिटी बना कर इसका भूमि पूजन किया गया है। कार्यक्रम की

अध्यक्षता गोपाल साह द्वारा किया गया। संचालन वरीय अधिवक्ता राकेश कर्मशील द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन भाजपा जिलाध्यक्ष शशिधर झा द्वारा किया गया। मौके पर कमिटी के सचिव सुरेश प्रसाद गुप्ता, राकेश कुमार, आनंद कुमार गुप्ता, हरेंद्र साह, अमरनाथ साह, राकेश कुमार गुप्ता, अरविंद कुमार, वार्ड पार्षद माधव कर्मशील, राजीव सूर्यवंशी, हरेंद्र पासवान, भाजपा के मंडल अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। जनता में इस पुनीत कार्य के होने पर क्षेत्र में काफी हर्ष देखा जा रहा है।

जिले में अब चलेगा तम्बाकू सेवन के खिलाफ चलेगा सघन अभियान, जिले के सभी शिक्षण संस्थान होंगे तंबाकू मुक्त,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

- शिक्षण संस्थान के 100 गज की दूरी पर कोई व्यक्ति तम्बाकू बेचते पकड़े गए तो होगी कार्रवाई

समस्तीपुर। सोमवार को जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला तंबाकू नियंत्रण समन्वय समिति समस्तीपुर रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में जिला तंबाकू नियंत्रण समन्वय समिति सह अन्य सरकारी पदाधिकारियों एवं अन्य हितधारकों हेतु जिला स्तरीय उन्मुखी सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों के अलावे पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित हुए। उक्त अवसर पर ज़िला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू के सेवन से न सिर्फ सेहत पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है साथ ही आर्थिक नुकसान भी होता है। तम्बाकू सेवन न करके जिंदगी के साथ साथ आर्थिक नुकसान को भी बचाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने तम्बाकू नियंत्रण हेतु छापामार दस्ता के सदस्यों को निर्देश दिया की शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में अवस्थित सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों को हटवाते हुए नियमित रूप से छापामारी करने का निर्देश दिया। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने अपने कार्यालयों मे तम्बाकू मुक्त क्षेत्र का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी ने कहा कि इस अभियान को सफल करने के लिए हमें मिलकर प्रयास करनी होगी। जिससे हम अपने आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बचा सकते हैं। साथ ही समाज के आम लोगों के बीच जाकर लोगों को तंबाकू का सेवन नहीं करने हेतु प्रेरित एवं जागरूक करना होगा। जिससे तंबाकू के सेवन पर नियंत्रण लगाने में सफलता मिलेगी। तम्बाकू नियंत्रण हेतु राज्य सरकार की तकनीकी सहयोगी संस्था सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाईटी के कार्यक्रम पदाधिकारी सुनील चौधरी ने राज्य सरकार एवं सीड्स के द्वारा संयुक्त रूप से राज्य के सभी 38 जिलो में चलाए जा रहे तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत उडळढअ - 2003 की विभिन्न धाराओ के बारे में विस्तार से बताया साथ ही चलानिंग के बारे मे भी विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन करना एक खतरनाक आदत है जहां छोटे-छोटे बच्चे हैं वहां तो स्थिति और भी अधिक नाजुक बन जाती है। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को अभियान के रूप में चलाए जाने के काफी अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सभी स्तर पर तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोविड -19 से लड़कर हम ने उसे परास्त किया उसी प्रकार हमें तंबाकू को समाप्त करने हेतु लड़ाई लड़नी होगी। विदित हो कि सार्वजनिक स्थलों यथा सिनेमा हॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक सड़क, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों सहित अन्य स्थानों पर धूम्रपान करना दंडनीय अपराध है।

भूमि विवाद निपटारा के बाद नकल निकालने को लेकर धांधली

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर अंचल कार्यालय में भूमि विवाद के नकल निकालने को लेकर इन दिनों काफी अनियमितता बरती जा रही है। इससे लोगों में काफी आक्रोश पनप रहा है। मालीनगर गांव के एक किसान ने अपने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि चकमेहसी थाने में भूमि विवाद का निपटारा हो गया। आगे उन्होंने बताया कि जब मैं उसकी नकल लेने थाना गया तो थाना के कर्मियों ने अंचल कार्यालय भेजते हुए कहा कि अंचल पदाधिकारी से आदेश कराकर लाएं तब नकल मिलेगी। मैं चार दिनों से दौड़ते दौड़ते परेशान हूं। पीड़ित ने जिला के वरीय पदाधिकारी को गुहार लगाते हुए कहा कि इस पर अंकुश लगनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर माले अंचल सचिव ने बताया कि इन दोनों अचल में व्याप्त भ्रष्टाचार का बोल बाला है। गांव घर से आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इसको लेकर कई बार अंचल पदाधिकारी का ध्यान भी आकृष्ट कराया गया। अंकुश नहीं लगने पर कार्यकर्ता विवश होकर धरना प्रदर्शन करने पर उतारू होंगे।

भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में कई जख्मी, एक रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर व चकमेहसी थाना क्षेत्र के अलग - अलग जगहों पर भूमि वीवाद में दो पक्षों में हल्दी खनने को लेकर सोमनाहा गांव में मारपीट में दर्जन भर लोग घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। घायल की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के जटमलपुर गांव के 70 वर्षीय लालंतन देवी, 16 वर्षीय लक्ष्मी कुमारी, दुसरी ओर चकमहेसी थाना क्षेत्र के सोमनाहा में भूमि वीवाद में मारपीट में 10 लोग घायल हो गया जिसका पहचान सोमनाहा बड़ा टोला गांव के 60 वर्षीय विजय महतो, 40 वर्षीय मनोज कुमार, 42 वर्षीय संतोष कुमार, 72 वर्षीय देवनारायण महतो, दुसरे पक्षों की पहचान सोमनाहा मनियारपुर गांव के 40 वर्षीय हेमंत कुमार, 32 वर्षीय प्रिया भारती, 75 वर्षीय अनिल कुमार, 40 वर्षीय दिनेश कुमार, 38 वर्षीय दीपू कुमार, 26 वर्षीय सुधीर कुमार का नाम शामिल है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर हैदर ने बताया कि एक हेमंत कुमार की गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया है।

तेज रफ्तार हाईवा के चपेट में आने से बाईक सवार की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। हाईवा की चपेट में आने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। घटना ओईनी बाजार की और सोमवार शाम की बताई गई है, जहां खुदीराम बोस स्मारक चौक के निकट बाईक सवार ने अपने बाईक से संतुलन खो दिया और वह नीचे गिर गया। जिससे पूसा की ओर से आ रहे एक हाईवा की चपेट में आ गया। जिसमें उसकी तत्काल घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान बघनगरी निवासी विजय कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मृतक अपने ससुराल आया था। हाट से निकलकर वह गंगापुर की तरफ जा रहा था। इसी बीच उक्त घटना घटी। इस घटना से आक्रोशित स्थानीय व्यवसायियों व लोगों ने हाईवा के साथ तोड़फोड़ की और चालक की पिटाई भी कर दी। स्थानीय व्यवसायी बजरंग अग्रवाल, शुभम जायसवाल आदि के सहयोग से चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।

भारत रत्न कपूरी ठाकुर के 37वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम का तेजस्वी ने किया उद्घाटन

शाज बिहारी
विशेष संवाददाता

- कपूरी के विचारधारा को आत्मसात करें : तेजस्वी
- आर्थिक न्याय के माध्यम से बेरोजगारी, गरीबी व पलायन से दिलायेंगे मुक्ति : तेजस्वी

सीतामढ़ी । हम लोग भारत रत्न कपूरी ठाकुर जी के अनुनायी हैं। सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, भेदभाव, सबों समान अधिकार पर उनके दिखाये रास्ते पर चलने का काम करते हैं। उन्होंने खून पसीना एक कर काम किया ताकि आने वाली पीढीयों को सम्मान मिले। नई पीढी उनके विचारों को आत्मसात करें। उक्त बातें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोनबरसा में भारत रत्न कपूरी ठाकुर की 37वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि कपूरी जी का देहावसान लालू जी के गोद में हुआ। 1978 में कपूरी जी ने अति पिछड़ा को 12 प्रतिशत आरक्षण दिया। 1990 में लालू जी ने उस आरक्षण को 14 प्रतिशत करने का काम किया। राबड़ी देवी ने वर्ष 2000 में 18 प्रतिशत लागू करने का काम की। इसके पश्चात भाजपा जदयू के सरकार में आरक्षण नही बढ़ा। उप मुख्यमंत्री बनते ही जाति आधारित जनगणना कराया। अति पिछड़े वर्ग के आरक्षण को 25 प्रतिशत किया। जिस आरक्षण को हमने बढ़ाया भाजपा उसे फंसाया। चाचा के पलटने के कारण भाजपा आपके हक अधिकार की छीनने का काम किया। मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर बोलते हुए कहा कि चाचा अब थक चुके हैं। चाचा का सिर्फ शरीर है, चला कोई और रहा है। असली सीएम डीके बॉस है। मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा नहीं, दुर्गति यात्रा है। चंद अधिकारी घुमाता है। जनता को दूर करवाते हैं, लाठी चलवाते हैं। यात्रा पर 2 अरब 25 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। बिहार को चंद लोग बर्बाद कर रहे हैं। भ्रष्ट अधिकारी समझ जाए तेजस्वी आयेगा तो तुम्हारी पीढ़ियों से वसूल लेगा। जनता पर खर्च किये जाने वाला यात्रा पर खर्च किया जा रहा है। चाचा बीजेपी की कठपुतली बन कर रह गए हैं। पहले थाली छीनते थे, अब पैर पकड़ कर गिड़गिड़ाते हैं। कपूरी जी आरक्षण लागू किये तो यह लोग गाली देते थे। सामाजिक न्याय की ताकत की बदौलत वह आज भारत रत्न दे रहे हैं। लालू जी को गाली देते रहो, उनको भी आने वाले दिनों में भारत रत्न दोगे। उन्होंने कहा कि लालू गरीबों के जुबान में ताकत दी। लालू ने सामाजिक परिवर्तन कर सामाजिक न्याय की बदौलत आपको आजादी दिलाया। आज आपके बीच उनका बेटा आया है। वचन देता है, एक बार अवसर दीजिए। आने वाली पीढीयों को आर्थिक न्याय के माध्यम से बेरोजगारी, गरीबी व पलायन से मुक्ति दिलायेंगे। आप लोग ताकत दें, आपकी लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। भाजपा दंगा फसाद, हिंदू मुस्लिम, मंदिर मस्जिद की बात करती है। गरीबी, पलायन, बेरोजगारी खत्म करने की बात करो। तेजस्वी वर्तमान सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रखंड व थानों बिना रिश्वत दिए काम नही होता। अपराध बढ़ गया है, डेली गोली चल रहा है। पुलिस अपराधियों को नहीं गरीबों को लाठी मार रही है। कागज पर शराबबंदी है। 200 वाला बोतल 500 सौ में मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब को गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध से मुक्ति चाहिए। वर्तमान सरकार सृजन घोटाला, बालिका गृह वाली भ्रष्ट सरकार है। नीतीश पुराना मॉडल हो चुके हैं। 15 वर्ष बाद तो वाहन चलाने की इजाजत नही मिलती। अब नया ब्रांड बीज रोपने का समय है, ताकि फसल अच्छा हो सके।

उन्होंने कहा कि हम नये सोंच के हैं। नया बिहार बनाना है, बिहार को आगे ले जाना है। मेरे खून में गद्दारी नही है। जो कहते हैं, वह करके दिखाते है।

जामिया मदीनतुल उलूम जगुलिया में जलसा दस्तारबंदी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबरार नौमानी

मुजफ्फरपुरः जामिया मदीनतुल उलूम, जुगैलिया औराई मुजफ्फरपुर में तहफुजे खात्मे नाबूत व जलाए दस्तार बंदी का आयोजक किया गया जिसकी सरपरस्ती जामे ऊल उलूम मुजफ्फरपुर के मौलाना मुफ्ती इकबाल अहमद कासमी ने की और अध्यक्षता ऑल इंडिया मिली काउंसिल के उपाध्यक्ष मौलाना अनीसुर रहमान कासमी, निजामत मौलाना शौकत अली कासमी और विशिष्ट अतिथि उलेमा बोर्ड हिंद के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद सदरे आलम नौमानी शरीक हुए. मौलाना अब्दुल खालिक कासमी माधोपुरी, मौलाना नाफे आरिफी, मौलाना मुर्तजा हुसैन कासमी कटाई, मौलाना मुफ्ती अंसार कासमी, मौलाना मुजफ्फर हुसैन नक्शबंदी, सामाजिक कार्यकर्ता हाफिज अंसार अहमद सहित अन्य प्रमुख हस्तियां भी मौजूद रहीं। जामिया के 12 हफ्फाजे के सर पर दस्तार बांधी गई जामिया के मोहतमिम मौलाना मुजफ्फर आलम कासमी के अथक प्रयास से जलसा बहुत सफल रहा। मौलाना मुफ्ती इकबाल अहमद कासमी की दुआ के साथ जलसा समाप्त हुई।

अखंड भारत वैदिक पत्रकार महासंघ ने मनाई पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कपूरी ठाकुर की जयंती

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता, ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) :- - संगठन के दो सुत्री मांग को पुरा करने के लिए ताजपुर प्रधान कार्यालय में अखंड भारत वैदिक पत्रकार महासंघ नई दिल्ली न्यास के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल पोद्दार पत्रकार ने छः घंटे का खड़ा प्रार्थना किया । उन्होंने कार्यक्रम के अन्त में देश वासियों को एवं सभी संबंधी महान भाव से आग्रह किया तथा दो सुत्री मांग को संविधान लिखा जाए नहीं तो बाबा साहेब अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल 2025 को पुरे देश भर में संगठन अगला बिनती आंदोलन करेगा । मौजूद लोगों में यामस एस असद इकबाल , आसिफ रजा , पवन पोद्दार , अनिल पोद्दार , रंजन कुमार साह , सरदार गिरिजा सिंह , श्री पंडित जी , मुस्तफा रजी , अब्दुल कादिर , रामनारायण गिरी , राम गणेश ठाकुर , अरविन्द पोद्दार , इन्दू देवी , प्रमोद पोद्दार आदि ।

डीएम ने औचक निरीक्षण कर दिए कई निर्देश

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ीःजिलाधिकारी रिची पांडेय ने आज समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की और कर्मचारियों की उपस्थिति, फाइलों के रखरखाव तथा जनसुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के साथ साफझ सफाई को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की बात कही। डीएम ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अनुशासनहीनता मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का जायजा भी लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने का निर्देश दिया और कहा कि स्वच्छता और समयबद्धता अनिवार्य है। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा से करें और आम जनता की समस्याओं के समाधान में तत्पर रहें। जिलाधिकारी ने समाहरणालय परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाए रखने की अपील की। मौके पर ओएसडी विकास कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता प्रकाश कुमार मौजूद थे।

पिकअप की ठोकर से बाईक सवार की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के रोसड़ा और सिंघिया सीमा के बीच पिकअप की ठोकर से बाईक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पटपारा पंचायत के भरपुरा गांव निवासी कमलेश कापर 45 वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी की जानकारी कमलेश कापर कोई काम से घर से रोसड़ा की ओर बाईक से निकला था जैसे ही वह सिंघिया और रोसड़ा सीमा के पास पहुंचा कि एक अनियंत्रित पिकअप की ठोकर से बाईक सवार घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर लाया गया जहां इलाज के दौरान बाईक सवार ने दम तोड़ दिया। इधर जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनों को सौंप दिया।

गढ़पुरा में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान तेज झ्र इउ्ढ की अपील, नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें दवा पूरी तरह सुरक्षित है

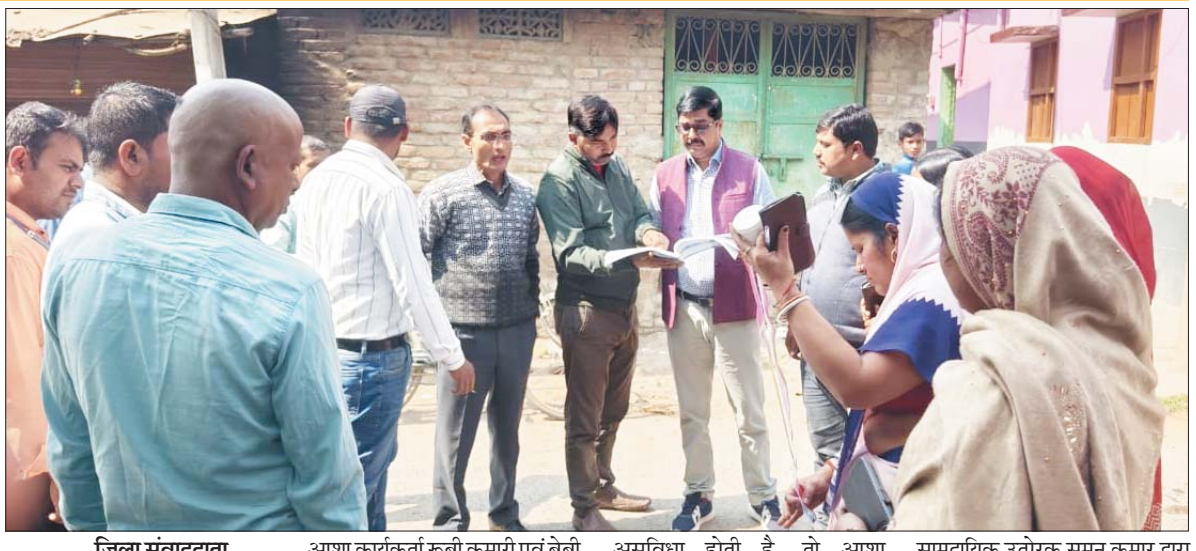

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गढ़पुरा (बेगुसराय) ' राहुल नगर प्रखंड विकास पदाधिकारी (इउ्ढ) श्री हरि मोहन कुमार ने मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (टउ्ऋ) अभियान के तहत निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें–यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और स्वस्थ एवं फाइलेरिया प्रभावित सभी व्यक्तियों के लिए आवश्यक है। घर-घर जाकर दवा वितरण

आशा कार्यकर्ता रूबी कुमारी एवं बेबी कुमारी घर-घर जाकर उम्र के अनुसार दवा सेवन सुनिश्चित कर रही हैं। निरीक्षण के समय तक 32 घरों में दवा वितरण का कार्य पूरा हो चुका था। एमडीए किट और निगरानी की समीक्षा निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने दलकर्मियों को उपलब्ध एमडीए पंजी एवं ड्रग किट की जांच की। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन चौधरी ने बताया कि यदि दवा लेने के बाद किसी को कोई असुविधा होती है, तो आशा कार्यकताओं के पास प्राथमिक उपचार की दवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें बुखार, उल्टी, एंटी-एलर्जी और ओआरएस घोल शामिल हैं। आपातकालीन सहायता के लिए रैपिड रिस्पांस टीम गठित प्रखंड स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम भी गठित की गई है, जो आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करेगी। इस अभियान की मॉनिटरिंग प्रखंड एवं जिला स्तर पर हो रही है, और रिपोर्टिंग स्वीकृत ऐप के माध्यम से प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक सुमन कुमार द्वारा की जा रही है। प्रतिदिन समीक्षा बैठक से सफलता सुनिश्चित प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने बताया कि प्रतिदिन संध्या समीक्षा बैठक आयोजित कर अभियान की प्रगति सुनिश्चित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान पिरामल प्रतिनिधि संजय कुमार, डब्ल्यूएचओ फील्ड मॉनिटर विकास कुमार एवं आशा फैसिलिटेटर कुमकुम कुमारी भी उपस्थित रहे।

गोयनका कॉलेज में स्नातक तृतीय सेमेस्टर की मिड टर्म परीक्षा के हुई शुरूआत

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ।शहर के श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय में स्नातक सत्र 2023- 27 के तृतीय सेमेस्टर के छात्रों की मिड टर्म परीक्षा की शुरूआत सोमवार से हो गई है सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ मुकेश कुमार और नवीन यादव ने बताया कि छात्र-छात्राओं की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए अलग-अलग पालियों में विभिन्न मेजर विषयों की परीक्षा आयोजित की जा रही है बता दे की बिहार विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के आलोक में कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा आयोजित की जा रही है वैसे छात्र छात्राएं जो परीक्षा में शामिल नहीं होंगे उनको परीक्षा फार्म भरने से भी वंचित कर दिया जाएगा ।पहले दिन मेजर थर्ड की परीक्षा ली गई। वीक्षण कार्य में धीरज कुमार, रंजीत कुमार, अनिल ठाकुर, देवेंद्र यादव, शिवनाथ साह, विठ्ठल ठाकुर, विवेक झा समेत अन्य शामिल रहे।

मधुबनी जिला के राजनगर 18 वी बटालियन एसएसबी परिसर में 54वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के राजनगर 54वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन 18वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, राजनगर के परिसर में किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि भोला प्रसाद साह (सेवानिवृत्त निरीक्षक, स.सी.ब.) दवारा किया गया ।उपरोक्त कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद श्री अशोक कुमार ओला, कार्यवाहक कमांडेंट ने स्थापना दिवस के बारे में एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, बङे खाने का आयोजन एवं संदीक्षा मे आमंत्रित सदस्यों के बच्चों का मनोबल बढ़ाया गया ।उक्त कार्यक्रम में अशोक कुमार ओला, कार्यवाहक कमांडेंट, मीडिया एवं बलकर्मी मौजूद रहे।

गांधी मैदान विथान क्रिकेट टूनार्मेंट: सेमीफाइनल में कराची को हराकर शाखवा की टीम फाइनल में पहुँची

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ,

- मुख्य अतिथि के रूप में हसनपुर विधानसभा से उम्मीदवार इंदु गुप्ता और बिहार के चर्चित गरीबों के मसीहा सुरेन्द्र गुप्ता उपस्थित थे।

समस्तीपुर जिले में गांधी मैदान में आयोजित विथान क्रिकेट टूनार्मेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में शाखवा की क्रिकेट टीम ने कराची को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। इस शानदार जीत के साथ शाखवा की टीम ने सभी दर्शकों और समर्थकों का दिल जीत लिया। मैच के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः शाखवा की टीम ने कराची को हराकर निर्णायक जीत हासिल की। सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें कराची की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए अच्छा स्कोर खड़ा किया, लेकिन शाखवा के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी कर कराची को बड़ा स्कोर बनाने का मौका नहीं दिया। शाखवा की टीम ने अपनी बल्लेबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और आसानी से मैच जीत लिया। इस ऐतिहासिक जीत के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में हसनपुर विधानसभा से उम्मीदवार इंदु गुप्ता और बिहार के चर्चित गरीबों के मसीहा सुरेन्द्र गुप्ता उपस्थित थे। इंदु गुप्ता ने अपनी शुभकामनाएँ दीं और खेल के प्रति युवाओं के उत्साह की सराहना की। सुरेन्द्र गुप्ता ने भी खिलाड़ियों की मेहनत को सराहा और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। अब शाखवा की टीम फाइनल में अपनी जीत के लिए तैयार है, जहां उनकी चुनौती होगी अपने शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए ट्रॉफी जीतने की। टूनार्मेंट के फाइनल में दोनों टीमों के बीच एक जबरदस्त मुकाबला होने की उम्मीद है। फाइनल मैच की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी, जिसमें क्रिकेट प्रेमियों को एक और शानदार मुकाबला देखने को मिलेगा।

मधुबनी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तकनीकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित।
- सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं में अनावश्यक विलम्ब कदापि बर्दाश्त नही,पूरी गुणवत्ता के साथ ससमय योजनाओं को करे पूर्ण।–जिलाधिकारी
- मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के क्रम में की गई घोषणाओं से संबंधित कार्यों में गति लाने का दिया निर्देश।
- भू अर्जन के कार्य में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
- अनुपस्थित कार्यपालक अभियंता पुल निर्माण निगम को स्पष्टीकरण पूछने का दिया निर्देश।
- बिजली एवं यांत्रिक दोष से बंद पड़े नलकुपो की मरम्मती कर अविलंब चालू करवाने का दिया निर्देश।
- अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर चल रही योजनाओं का करे स्थल निरीक्षण।
- मेंटेनेंस पीरियड वाली क्षतिग्रसि सड़को को हरहाल में ससमय मरम्मती करवाये,अन्यथा जबाबदेही तय कर होगी करवाई।–डीएम
- बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को कृषि फीडर से सभी इच्छुक किसानों को उनसे प्राप्त आवेदन के आलोक में ससमय विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने का दिया निर्देश।
- योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता आदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

मधुबनी 17 फरवरी 2025 *मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में तकनीकी विभाग के पदाधिकारियो की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में विभागवार चल रही योजनाओं का विस्तृत समीक्षा किया एवं संबधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने माननीय मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के क्रम में की गई घोषणाओं एवं उसकी स्वीकृति के उपरांत संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा अब तक की गई करवाई की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि घोषणाओं से संबंधित कार्यों में गति लाए,ताकि ससमय स्वीकृत घोषणाओं को धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि रिंग रोड सहित संबंधित योजनाओं में भू अर्जन की करवाई में तेजी लाए,इसमें अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को कृषि फीडर से सभी इच्छुक किसानों को उनसे प्राप्त आवेदन के आलोक में ससमय विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्युत दोष से बंद पड़े नलकुपो को अविलंब मरम्मती करवाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कार्यपालक अभियंता विधुत को निर्देश दिया कि जर्जर विधुत तारो को बदलने हेतु तेजी से करवाई करे,साथ ही ससमय जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने का भी निर्देश दिया। ग्रामीण कार्य विभाग की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि मेंटेनेंस पीरियड वाली क्षतिग्रसि सड़को को हरहाल में ससमय मरम्मती करवाये,अन्यथा जबाबदेही तय कर करवाई होगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि वैसे क्षतिग्रस्त सड़के जिनका पाँच वर्ष की मरम्मती अवधि समाप्त हो गई है,उसकी भीअविलम्ब सूची उपलब्ध करवाना सुनिश्चगीत करे,ताकि उसकी मरम्मती हेतु अग्रेतर करवाई जा सके। उन्होंने ग्रामीण कार्य विभाग के सभी अभियंताओं को निर्देश दिया कि नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर सड़को की जाँच करें। जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में कहा कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही की जाएगी। योजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ ससमय पूर्ण करे।योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धताआदि को लेकर तकनीकी विभाग के पदाधिकारी सीओ के साथ आयोजित बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

मुंगेर में छोटे भाई की जगह परीक्षा दे रहा था,गिरफ्तार

सीतामढ़ी में एंट्री नहीं मिलने पर दो छात्राएं बेहोश

पटना। बिहार से मैट्रिक की परीक्षा शुरू हो गई है। एग्जाम 25 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा के लिए राज्यभर में 1677 सेंटर बनाए गए हैं। इस बार परीक्षा में 15.85 लाख छात्र शामिल हुए हैं। इनमें 7.67 लाख छात्र और 8.18 लाख छात्राएं हैं। परीक्षा दो पाली में हो रही है। एग्जाम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुंगेर में एक फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया गया है। टाउन उच्च विद्यायल में आरोपी युवक अपने छोटे भाई के बदले खुद परीक्षा दे रहा था। इधर, सीतामढ़ी में 2 मिनट लेट पहुंची परीक्षार्थियों को एंट्री नहीं मिली, जिसके बाद दो छात्राएं बेहोश हो गईं। भागलपुर के मारवाड़ी पाठशाला में लेट से पहुंचे छात्रों को एंट्री नहीं मिली तो परिजनों ने हंगामा किया। हंगामे के दौरान परिजन ने परीक्षार्थी को मारने की बात कही। युवक ने कहा- लेट हो गए तो क्या लाश गिरा दें इसका? गेट खोलिए वर्दी उतरवाने की हैसियत रखते हैं। पुलिस ने परीक्षार्थियों को समझा बूझकर शांत कराया गया। इधर सुपौल में एग्जाम देने जा रहे छात्रों से भरा ऑटो पुलिस वैन से टकरा गया। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां नहर में गिर गई। हादसे में 5 छात्र घायल हुए हैं।

पटना से लापता युवती प्रयागराज में मिली

पटना। चित्रगुप्त नगर थाना इलाके से लापता युवती को पुलिस ने प्रयागराज के कोतवाली थाना इलाके से बरामद कर लिया। वह 13 फरवरी को लापता हो गई थी। थानेदार आलोक कुमार ने बताया कि उसका फोटो रेलवे पुलिस के ग्रुप में डाला गया था। 14 फरवरी को प्रयागराज के कोतवाली थाने से कॉल आया कि युवती इस इलाके में है। युवती मानसिक रूप से बीमार है। थानेदार ने बताया कि वह नहीं बता पा रही है कि वह पटना से प्रयागराज कैसे पहुंच गई।

मध्यविद्यालय रहिका के प्रांगण में देर संध्या में मिथिला मैथिली के अग्रणी संस्था मैथिल समाज रहिका , मधुबनी के कार्यसमिति का विस्तारित बैठक

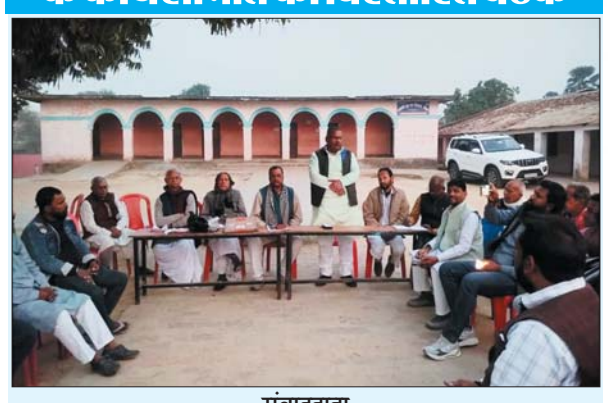

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मध्यविद्यालय रहिका के प्रांगण में देर संध्या में मिथिला मैथिली के अग्रणी संस्था मैथिल समाज रहिका , मधुबनी के कार्यसमिति का विस्तारित बैठक संस्था के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद श्री सुमन कुमार महासेठ जी के अध्यक्षता में आयोजित की गई । बैठक में संस्था के महासचिव प्रो शीतलांबर झा ने प्रमुख रूप से चार प्रस्ताव रखा जिसमें पिछले वर्ष 2024 के आय व्यय प्रस्तुत किया जिसे सदस्यों ने संपुष्टि किया गत वर्षों के कार्यक्रम की समीक्षा हुआ साथ संस्था के महासचिव प्रो शीतलांबर झा के पद से इस्तीफा को सदस्यों ने नामंजूर की एवं आगामी मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह पर गहन विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह 29 , 30 एवं 31 मार्च को प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी त्रिदिवसीय समारोह आयोजित करने का फैसला लिया गया साथ ही पुराने कमिटी को ही सदस्यों ने अनुमोदन किया संस्था के अध्यक्ष सुमन कुमार महासेठ , उपाध्यक्ष मो सनाउल्लाह रहमानी मुखिया दक्षिणी ककरौल एवं पूर्व प्रमुख एवं प्रसिद्द रंगकर्मी जटाधार पासवान , प्रो शीतलांबर झा महासचिव , कोषाध्यक्ष मधु राय , सह सचिव भवेश कुमार झा होंगे साथ ही इक्यावन सदस्यों की कार्यसमिति होगा।प्रो शीतलांबर झा महासचिव ने कहा मैथिल समाज रहिका पिछले 52 वर्षों से मिथिला मैथिली के सर्वांगीण विकास के लिए काम करती रही है यह संस्था समाजिक एवं सांस्कृतिक है मातृभाषा मैथिली को संवैधानिक मान्यता दिलाने में संस्था का अहम भूमिका रही है ,भारत वर्ष में मिथिला सहित देश के गौरव महाकवि विद्यापति जी का मूर्ति का अनावरण रहिका में ही 1975 में हुआ था ।प्रो झा ने कहा इस वर्ष का समारोह पूर्व वर्षों की भांति एतिहासिक रूप से मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह आयोजित करेगी इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, विद्वान, साहित्यकार, कवि , प्रसिद्द लोक गायक एवं गायिका को आमंत्रित किया जाएगा, मिथिला मैथिली के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्ति को सम्मान किया जाएगा साथ संस्था द्वारा प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी यात्री पुरस्कार , डॉ काँचीनाथ झा किरण पुरस्कार , रवींद्र महेंद्र सम्मान एवं चुनचुन मिश्र पुरस्कार भी दिया जायेगा ।बैठक में संस्था के संस्थापक सदस्य, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उदय चंद्र झा विनोद , अभया नंद झा, जटाधार पासवान , चंद्र किशोर मंडल , मधु राय , जिला परिषद सदस्य उमर अंसारी ,प्रहलाद पूर्वे, कमलनाथ झा, देवेंद्र यादव , कृष्ण कुमार सह , मनोज कुमार झा बबलू , पवन कुमार झा , उदय भूषण निराला, शिव कुमार झा , संजीव पाठक , अवधेश झा , राजू झा , कुमार गौरव , बलराम पाठक , ब्रह्मानंद झा, विजय कुमार मिश्र , राजू पासवान, विद्यानंद ठाकुर, कामेश्वर कामत , ललन मंडल , दीपू कुमार मिश्र , अवकाश कुमार झा , भवेंद्र मिश्र उदय कांत झ ललन आदि दर्जनों सदस्य उपस्थित थे ।

एसएसबी 48वीं वाहिनी , जयनगर द्वारा डकैती गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार , हथियार व वाहन बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दिनांक 17 फरवरी 2025 को 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सक्रिय डकैती गिरोह के दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान में हथियार, गोलियां, मोबाइल फोन एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।पिछले कुछ समय से उप कमांडेंट (प्रचालन) विवेक ओझा को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिल रही थी कि नेपाल में छिपा एक डकैती गिरोह भारत में आकर चोरी, लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देता है। इस सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन कर गिरोह को पकड़ने की रणनीति तैयार की गई।

गिरफ्तारी की कार्यवाहीः

दिनांक 17 फरवरी 2025 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि यह गिरोह पुनः भारत में प्रवेश करने की योजना बना रहा है। इस पर कमांडेंट श्री गोविंद सिंह भंडारी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षक सामान्य भगवान सहाय मीना के नेतृत्व में एक टीम को सीमा स्तंभ संख्या 277/01 से 277/02 के बीच तैनात किया गया।

कुछ देर बाद नेपाल की ओर से दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्ध व्यक्ति भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किए। एसएसबी टीम द्वारा रोकने के प्रयास पर वे भागने लगे, लेकिन त्वरित घेराबंदी कर एक मोटरसाइकिल सवार दो अपराधियों को पकड़ लिया गया। दूसरी मोटरसाइकिल नेपाल की ओर भाग निकली।

बरामद सामानः

गिरफ्तार अपराधियों के पास से निम्नलिखित सामान बरामद किया गयाः

- एक देशी कट्टा
- एक कंट्री मेड सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल
- एक मैगजीन एवं दो जिंदा कारतूस
- एक मोबाइल फोन
- एक मोटरसाइकिल

इस संबंध में नेपाल पुलिस के एसपी निर्मल खड्का से संपर्क किया गया, जिनके निदेर्शानुसार नेपाल पुलिस द्वारा फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है।

कमांडेंट का बयानः

इस कार्रवाई पर कमांडेंट श्री गोविंद सिंह भंडारी ने एसएसबी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सफलता बल की सतर्कता, उत्कृष्ट खुफिया तंत्र एवं टीमवर्क का परिणाम है। इस कार्रवाई से सीमावर्ती क्षेत्र में लूट व डकैती जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। एसएसबी बल सीमावर्ती सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता से कार्य करता रहेगा।

गाँवो से संपन्नता छीनने का काम रही हैं यह सरकार : श्री अविनाश भारद्वाज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

आज दिनांक : 17 फरवरी 2025 को मिथिलावादी पार्टी द्वारा आहूत 50 दिवसीय पद यात्रा मिथिला विकास बोर्ड को लेकर आज कुशेश्वरस्थान के विभिन्न गांवों में जागरूकता फैलाने का काम किया हैं। यह यात्रा आज असमा, पाड़ों, हिरणी, बड़गांव, हरौली, सतीघाट, मसानखोन , बेरचौक, हरि नगर, औराई, भदहर किशन कुमार झा के नेतृत्व में पहुँची। जहाँ विभिन्न गांवों में अपार जनसमर्थन देखने को मिला । पद यात्रा के दौरान सभा को संबोधित करते हुए : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश भारद्वाज ने कहा कि : विभिन्न प्रखंडों में जनसमस्याओं का अंबार है परंतु यहाँ की शाशन-प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ता,इसलिए हमारा कार्यकर्त्ता ही सभी प्रखण्ड मुख्यालय पर साप्ताहिक शिविर लगा कर गरीब गुरबों की समस्या का समाधान करेंगे !वर्षो-वर्ष से मिथिला में बन्द पड़े उद्योग धंधा पर इनकी कोई उद्योग - धंधा से सम्बंधित कोई नीति नही है। शिक्षा व्यवस्था इनकी माफिया के अंतर्गत है । शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। मिथिला के प्रति नियति दोहरी एवं मिथिला विरोधी है। मिथिला के लोगों का दर्द यही है कि नीतीश के शासनकाल में एक भी कल कारखाना नहीं लगा है। जो था, वह भी बदहाली की अवस्था में पहुंच गया। मिथिला के लोगों का सबसे बडा दर्द यही है कि नीतीश कुमार मिथिला संबंधित किसी मुद्दे को समय पर पूरा होने दे ही नहीं सकते।राजनीति में मिथिलावादी नौजवान का उदय हुआ है । इन्हीं नौजवान के बदौलत समाज में समृद्धि विकास एवं उन्नति आएगा । मिथिला विरोधी सरकार ने वर्षो से मिथिला के गाँवो की संपन्नता को छिनने का काम किया है। किसानों के स्टेट बोर्डिंग, बच्चों के शिक्षा का अधिकार, युवाओ के रोजगार हेतु उद्योग-धंधा को नष्ट करने का काम किया है। यह सरकार पूर्णतः शिक्षा नीति से विफल सरकार है, रोजगार सृजन हेतु सरकार का कोई कारगर कदम नही है। बिहार सरकार की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त , केंद्र और राज्य की शिक्षा नीति नौजवान को अंधकार में धकेलने का प्रयास , बिहार सरकार मैथिली भाषा को लेकर ना गंभीर है बल्कि उसे खत्म करने को लेकर साजिश रच रही है।पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री गोपाल चौधरी ने कहा कि : न सुव्यवस्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय या केंद्रीय अस्पताल, न इंफ्रास्ट्रक्चर न रोजगार, न हैवी इंडस्ट्री न खाद्य-डेयरी-मत्स्य-कृषि आधारित उद्योग या न ही टेक्निकल इंडस्ट्री। कृषि बन्द हो रही है, लोग पलायन कर रहे हैं, न कला-संस्कृति-भाषा बढ़ पाई और न टूरिज्म। यदि महाराष्ट्र में मराठवाड़ा, विदर्भ और गोरखालैंड, हैदराबाद, मिजोरम आदि जैसे जगहों पर पिछड़े जिलों के लिए ऑटोनॉमस डेवलपमेंट बॉडी बन सकता है तो मिथिला को उसका हक क्यों नहीं दिया जा रहा है ? सेपरेट डेवलपमेंट बोर्ड फॉर मिथिला एक ऐसा विचार है मेरे हिसाब से जो मिथिला के वर्तमान राजनीतिक-आर्थिक-वास्तविक और वैकाशिक हालात एवं जरूरत पर एकदम फिट बैठता है। अभी हाल में ही प्रेजिडेंट ने हैदराबाद-कर्नाटक के 6 पिछड़े जिलों के लिए एक डेवलपमेंट बोर्ड के गठन की मंजूरी दी है। गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन भी कुछ ऐसे ही फंक्शन करता है। महाराष्ट्र में भी विदर्भ, मराठावाड़ा और शेष महाराष्ट्र नामित तीन डेवलपमेंट बोर्ड को मंजूरी है जो अपने अपने इलाके के डेवलपमेंट सम्बंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य से स्वतंत्र होके या उसके कॉर्डिनेशन में काम करता है।

ये डेवलपमेंट बोर्ड सामान्यतया राज्य के गरीब इलाकों या विशिष्ट पहचान वाले इलाकों के लिए बनाया जाता है ताकि विकास समावेसी हो और उस क्षेत्र की कम्पेरेटिव सहभागिता रह पाए। 6 करोड़, 20 जिला, अलग भाषा-संस्कृति कुल मिलाकर मिथिला को अलग डेवलपमेंट कॉउंसिल के लिए एकदम उपयुक्त बनाता है। मिथिला के जिलों के स्थिति का कम्पेरेटिव विश्लेषण कीजिए तो हालात मुंह खोल के सामने आ जाएगा। करीब सिर्फ 37.5 प्रतिशत एवरेज लिटरेसी रेट है मिथिला के 20 जिलों का, गरीबी-भुखमरी-कुपोषण-बेरोजगारी-पलायन-उद्योग धंधों और मिलों का बन्द होना, शिक्षा-स्वास्थ्य-संचार सुविधाओं की कमी, कृषि-यातायात-मानवविकास-जीवन स्तर का निचले स्तर पर होना, ये सब जरूरत का एहसास करवाता है एक ऐसे स्वतंत्र बोर्ड या काउंसिल की जो सिर्फ मिथिला के विकास पर काम करे। यदि केंद्र कोई सहायता या विशेष पैकेज भेजता है तो ये इस बोर्ड को मिले काम करने को न की राज्य सरकार उसे कहीं और खर्च कर दे।

संक्षिप्त डायरी

बेशरम/बेहया/थेथर एक किस्म का पौधा है, जिसे अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम से जाना जाता है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- बेशरम/बेहया/थेथर एक किस्म का पौधा है, जिसे अलग-अलग जगह पर अलग-अलग नाम से जाना जाता है। बेहया को स्थानीय भाषा में बेशर्म के नाम से भी जाना जाता है। बेहया भारत में बड़ी ही आसानी से हर जगह देखा जा सकता है। इस पौधे में बहुत सुंदर गुलाबी रंग के फूल खिलते हैं। यह पौधा अक्सर सड़कों के किनारे, खाली जगह पर, नदी, तालाब, नहर आदि के किनारे अपने आप ही उग जाते हैं। इनकी खासियत होती है कि यह कठिन से कठिन परिस्थिति में भी जिंदा रहते हैं।
- यह पौधा कभी सूखता या मरता नहीं है। इसलिए इसे बेशर्म कहा जाता है। कम पानी या कम धूप में भी यह मुरझाते नहीं। अगर बेहया पौधे की टहनियों को तोड़कर कहीं भी फेंक दिया जाए तो ये वहीं खुद ही उगने लगता है। ये कही भी किसी भी हाल में उग जाता है। इसे पानी में भी उगाया जा सकता है। यह पौधा पानी में सड़ता नहीं है। जंगली जानवर भी इस पौधे को नहीं खाते क्योंकि यह एक जहरीला पौधा होता है। बेहया के जहर के कारण इंसान भी इसे खा नहीं सकता। इसका उपयोग केवल बाहरी रूप से किया जाता है अंदरूनी रूप से नहीं।
- बेहया की पत्तियां, टेहनियां और दूध को प्राचीन समय से ही लोग कई स्वास्थ्य समस्याएं ठीक करने में इस्तेमाल करते चले आ रहे हैं। बेहया से कीटनाशक भी बनाया जाता है, जिसके छिड़काव से फसलों पर लगने वाले कीटो का नाश होता है। बेहया का इस्तेमाल कम लोग करते हैं। गांव में तो आज भी लोग इस पौधे का प्रयोग कर पुराने घाव भरते हैं, लेकिन शहरों में इसके बारे में बहुत कम लोग जानते है।
- #घावठीककरनेमेंमददगार-
  बेहया में एंटीबैक्टीरियल एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट्स गण पाए जाते हैं। इसलिए बेहया पौधे का इस्तेमाल घाव भरने में अधिक किया जाता है। इसकी पत्तियों पर तेल लगाकर हल्का गर्म कर चोट या घाव पर लगाने से घाव जदली भर जाते है। माना जाता है कि पुराने घाव भरने में भी बेहया काफी कामगर होता है।
- #दर्दसेदिलाएराहत-
  यह दर्द भी कम करता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी पत्तियां पट्टी के रूप में लगाने से सारा दर्द खींच लेती है और आपको दर्द से राहत दिलाती है। इसमें दर्द को कम करने वाले गुण मौजूद होते हैं। इस पौधे का इस्तेमाल आपकी पुरानी चोट से हो रहे दर्द को भी कम करने की क्षमता रखता है। इसलिए चोट लगने पर चिकित्सक के पास नहीं जाना चाहते तो यह पौधा आपकी मदद कर सकता है।
- #सूजनकमकरना-
  बेहया के पौधे में सूजन रोधी गुण यानि एंटी इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को गर्म करके सूजी हुई त्वचा पर लगाने से सूजन ठीक हो जाती है। बेहया की पत्तियों से बने लेप को सूजी त्वचा पर लगाने से भी सूजन काम होती है। यह सूजन को 3 से 4 घंटे में ही ठीक करने लगता है। इस तरीके से पुरानी से पुरानी सूजन भी ठीक की का सकती है। सूजन को कम करने के लिए प्राचीन समय से इस पौधे को काफी लाभकारी माना जाता है।
- #जहरकोकमकरताहै-
  बेहया की टहनियों और पत्तों को तोड़ने पर एक प्रकार का दूध निकलता है। बिच्छू के डंक मारने पर यदि यह दूध लगाया जाए तो इससे धीरे-धीरे जहर का असर कम होने लगता है। यही नहीं बेहया के पत्तो का लेप भी बिच्छू के डंक पर लगाकर जहर के असर को रोका जा सकता है।
- #चर्मरोगकेलिएफायदेमंद-
  बेहया को चर्म रोग ठीक करने में भी प्रयोग किया जाता है। इसके एंटीफंगल गुण चर्म रोग को ठीक करने में सक्षम होते हैं। इसके लिए इस पौधे की जड़ को उखाड़कर और सुखाकर पीस लें और उसमें कपूर और कोकड़े का तेल मिलाकर प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे विटिलिगो जैसे चर्म रोग भी ठीक हो सकते है और तो और बेहाया दाद को भी ठीक करने में बहुत लाभदायक माना जाता है। इसके पत्ते त्वचा संबंधी अन्य कई विकारों में भी काम आते हैं।

बेहया का पौधा आपके लिए बहुत लाभदायक है। ध्यान रहे इसे खाना नहीं है। केवल उपरी तौर पर ही इसका सेवन आपको लाभ देता है।

अब टिकट जांच के बाद ही प्लेटफॉर्म पर इंट्री

पटना। नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के बाद रेल प्रशासन की नींद टूटी है। पटना जंक्शन पर भीड़ प्रबंधन के लिए रविवार सुबह 10:30 बजे दानापुर के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी पहुंचे। स्टेशन और स्टेशन के बाहर के एरिया का मुआयना किया। यात्रियों से बात की। अव्यवस्था देखकर अधिकारियों का क्लास लगाया। बताया कि पटना जंक्शन पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। भीड़ को रिजर्व एरिया में रिप्लेस किया जा रहा है। कुंभ को लेकर रोजाना चार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। प्लेटफॉर्म पर विशेष जैकेट वाले कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है ताकि यात्रियों को मदद मिल सके। उन्होंने जंक्शन परिसर और करबिगहिया तरफ एक-एक पंडाल बनाने का निर्देश दिया, जो शाम तक बनकर तैयार हो गए। इनमें 2000 श्रद्धालु बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। प्लेटफॉर्म एक और 10 के प्रवेश द्वार पर टिकट जांच की जा रही है। बिना टिकट वाले लोगों को प्लेटफॉर्म पर जाने से रोका जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग चल रही है।

मैट्रिक परीक्षाः आधे घंटे पहले बंद होगा परीक्षा केंद्र का गेट

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक की वार्षिक परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा में 15 लाख, 85 हजार, 868 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 7,67,746 छात्र और 8,18,122 छात्राएं परीक्षा देंगे। 1,677 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षार्थी निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व परीक्षा केंद्र में प्रवेश करेंगे। केंद्र का गेट परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले बंद कर दिया जाएगा। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से होगी। सुबह 8.30 बजे से केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। सुबह नौ बजे केंद्र का गेट बंद हो जाएगा। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शुरू होगी। एक बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। दोपहर 1.30 बजे गेट बंद हो जाएगा। पटना जिले में 71,669 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पटना में 73 केंद्रों पर परीक्षा होगी।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

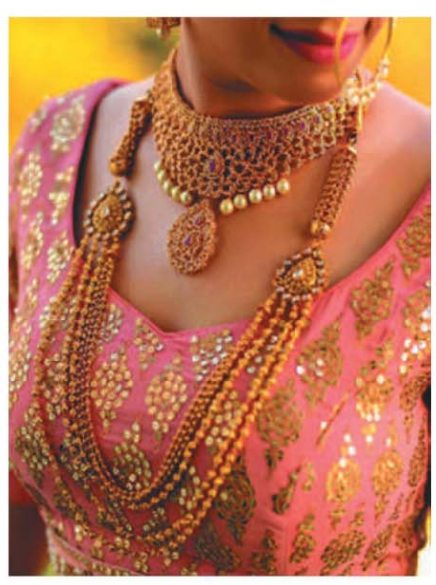

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

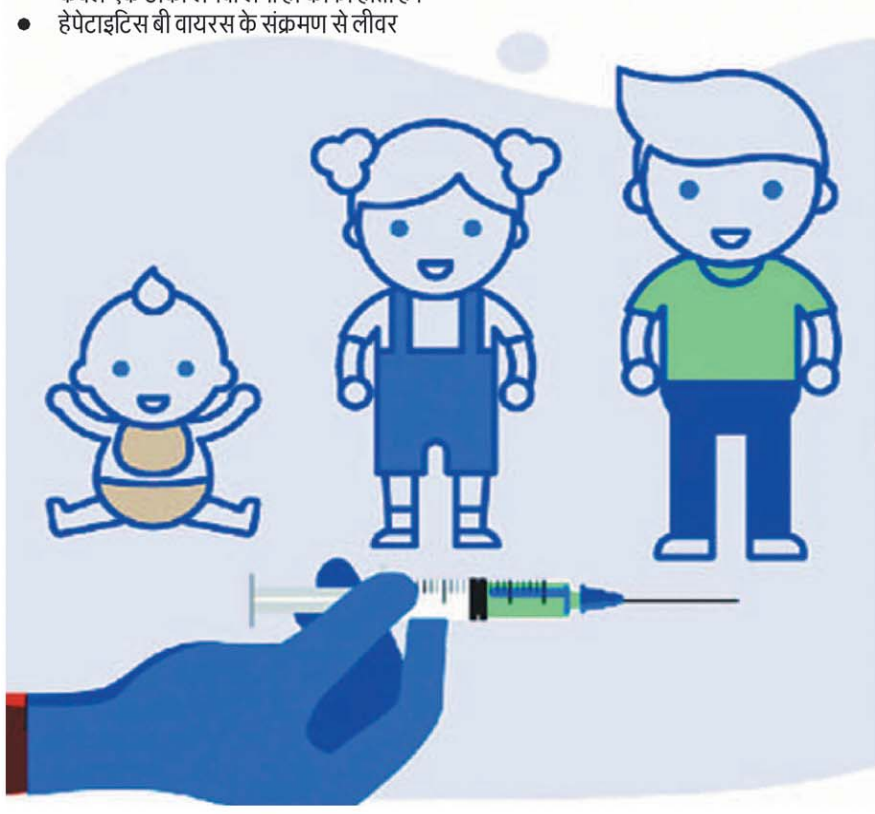

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

नेपाल से सोयाबीन आयात बढ़ने से भारत चिंतत

- सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

नेपाल से भारत में सोयाबीन तेल के आयात में हुई जोरदार वृद्धि ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। नेपाल सोयाबीन का बड़ा उत्पादक नहीं है। सोयाबीन तेल के बढते आयात से अधिकारियों को दाल में कुछ काला नजर आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि नेपाल, भारत-नेपाल व्यापार संधि 2009 के तहत मिलने वाले शून्य-शुल्क सुविधा का अनुचित लाभ उठा रहा है। नेपाल में कई रिफाइनिंग उद्योग भारतीय व्यवसायियों द्वारा संचालित हैं लेकिन नेपाल की घरेलू खपत बहुत कम है, जिससे साफ पता चलता है कि यह उद्योग मुख्य रूप से भारत के एफटीए शुल्क ढांचे का लाभ उठाने के लिए संचालित हो रहा है। नेपाल से सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में नेपाल से आयात में यह उछाल पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज किया गया है, जबकि नेपाल इस वस्तु का सीमित उत्पादक है। नवंबर 2024 में नेपाल से सोयाबीन तेल का आयात 23.46 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि नवंबर 2023 में यह मात्र 1.42 मिलियन डॉलर था। इसी तरह, अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में कुल आयात 38.15 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 में सिर्फ 2.81 मिलियन डॉलर था। यह तेजी ऐसे समय में आई है जब भारत में सोयाबीन तेल का कुल आयात भी बढ़ रहा है। अप्रैल से नवंबर 2024 में कुल सोयाबीन तेल आयात 19 फीसदी बढ़कर लगभग 3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 2.5 अरब डॉलर था। हालांकि, इसी अवधि में ब्राजील जो दुनिया के शीर्ष सोयाबीन तेल उत्पादकों में से एक है से भारत को होने वाले निर्यात में गिरावट देखी गई। सरकार ने भारतीय तिलहन किसानों की सुरक्षा के लिए सितंबर 2023 में रिफाइंड पाम ऑयल, सोया ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर आयात शुल्क 20 फीसदी बढ़ाकर 35.75 फीसदी कर दिया था। इसके बाद नेपाल से आयात तेजी से बढ़ा है।

मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी

- मखाने की खेती कर मालामाल हो रहे हैं बिहार के किसान

नई दिल्ली ।

बिहार के मिथिलांचल में मखाने की खेती की मांग तेजी से बढ़ रही है। पांच साल पहले कोरोना महामारी ने शुरुआत में कारोबारों के लिए काल लेकिन मखाने के कारोबार में नई उम्मीद जगा दी है। मिथिलांचल रेगिस्तान में उगाए जाने वाले मखाने किसानों के लिए अब एक बड़ा मौका बन गया है। कोरोना के बाद मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

मिथिलांचल में मखाने की खेती बढ़ाने के लिए बिहार सरकार और केंद्र सरकार के बीच कई उपाय किए जा रहे हैं। इस बार के आम बजट में मखाना बोर्ड बनाने की घोषणा के बाद, बिहार के मखाने की मांग विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद है। मखाने के दाम दो-तीन गुना बढ़ने से किसानों की आमदनी में भी खूब वृद्धि हुई है। बिहार के कई किसानों ने अपनी खेती में मखाना की उत्तम किमत पा ली है। मखाने में प्रोटीन की भरपूरता और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। बिहार सरकार द्वारा मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और और योजनाएं भी शुरू की गई हैं। किसानों को 72,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे उनकी खेती में और भी उत्साह और आत्मविश्वास भर रहा है। मखाने की उत्पादन में इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा फायदा बिहार के किसानों को हो रहा है। उन्हें अब बाजार में खुद अपने उत्पादों की मांग देखने को मिल रही है। इस बढ़ती मांग से मखाने की उत्पादनत और अनुपात में भी सुधार हो रहा है, जिससे किसानों की आमदनी में भी सहायता मिल रही है।

शेयर बाजार की गिरावट से स्टार्टअप कंपनियों के शेयर 23 प्रतिशत तक फिसले

- वीफिन सॉल्यूशंस के शेयर में 22.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में बीते हफ्ते भारी बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट देखी गई जिसका असर शेयर बाजार में सूचीबद्ध स्टार्टअप कंपनियों के शेयरों पर भी देखने को मिला है और इन कंपनियों के शेयरों में 23 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। न्यू एज टेक कंपनियों में फिनटेक शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बीते हफ्ते फिनो पेमेंट्स बैंक का शेयर 22.66 प्रतिशत फिसलकर 226.10 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, वीफिन सॉल्यूशंस के शेयर में 22.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 402.35 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम के शेयर में 9.79 प्रतिशत की गिरावट हुई है और यह शुक्रवार को 719.90 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा ई-कॉमर्स कंपनी यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस के शेयर में बीते हफ्ते में 20.98 प्रतिशत की गिरावट हुई और यह 118 रुपये पर बंद हुआ। वहीं जैगल प्रीपेड ओशियन सर्विसेज का शेयर 18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और यह 347.15 रुपये पर बंद हुआ। 10 फरवरी से 14 फरवरी तक के कारोबारी सत्र में फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी और जोमेटो के शेयर में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 6.36 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 341.60 रुपये और 216.44 रुपये पर बंद हुए। बीते हफ्ते ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.87 रुपये पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स में कोरोना के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट हुई है। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स हफ्ते के दौरान 9.5 प्रतिशत फिसल गया, जो कि कोविड-19 के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इस दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.59 प्रतिशत और 3.24 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

एचपी ने भारत में कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नए एनवी एक्स360 15 लैपटॉप लॉन्च किए

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल-दिसंबर में 12 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। गोदरेज ने कहा कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान कारोबार विकास 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। कंपनी ने कहा, हमने 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, इसलिए हम कारोबार विकास के लिए पूरे वर्ष का लक्ष्य पहले ही पार कर चुके हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निवेशकों को दी गई अपनी नवीनतम प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान 12 परियोजनाएं जोड़ी हैं, जिनका कुल अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्रफल 169 लाख वर्ग फुट है तथा 'कुल अनुमानित बुकिंग मूल्य क्षमता 23,450 करोड़ रुपये है। भविष्य कंपनी कई शहरों में भूमि मालिकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में नए व्यवसाय विकास में 30,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच सकती है।

मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरुआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं।

वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं।

इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन पुराने मॉडल की तुलना में अधिक फ्यूल एफिशिएंट है।

कंपनी के अनुसार, नई डिजायर मैनुअल ट्रांसमिशन पर 24.79 केएमपीएल, एएमटी पर 25.71 केएमपीएल और सीएनजी वेरिएंट में 33.73 द्मद्व/द्मद्व तक का माइलेज देने में सक्षम है। सीएनजी वेरिएंट सिर्फ मैनुअल ट्रांसमिशन में उपलब्ध होगा।सेफ्टी के लिहाज से भी नई डिजायर को और मजबूत बनाया गया है।

इसमें छह एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, ईएसपी विद हिल होल्ड और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अनुराग मेहरोत्रा को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अनुराग मेहरोत्रा को कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। मेहरोत्रा ने मोटर वाहन क्षेत्र में बिक्री, विपणन, रणनीति तथा व्यवसाय विकास खंड सहित कई प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन के कार विनिर्माता एसएआईसी के स्वामित्व वाली एमजी मोटर इंडिया के बीच संयुक्त उद्यम है। एसएआईसी मोटर के अंतरराष्ट्रीय परिचालन प्रमुख ने कहा कि अनुराग का विविध अनुभव और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय परिवहन बाजार की गहरी समझ हमारी इस यात्रा को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव चाबा संयुक्त संचालन समिति के सदस्य के रूप में प्रबंधन तथा शेयरधारकों को सलाह देना जारी रखेंगे।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

मुंबई । आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है। इस तरह 20 साल बाद आपके एसआईपी खाते में कुल 69,94,035 रुपये जमा हो जाएंगे।

भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान मजबूत कर रही है - रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में न केवल स्थिरता के साथ आगे बढ़ रही है, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान भी मजबूत कर रही है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक संरचना मजबूत बनी हुई है और यह स्थिर राजनीतिक शासन के साथ निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। यह सफलता सरकार की नीतियों, आर्थिक सुधारों और जनता के विश्वास का परिणाम है। भारत में वर्तमान भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए प्रशासन ने हाल के विधानसभा चुनावों में महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। यह जीत न केवल सरकार की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि जनता विकास और सुधारों के प्रति सकारात्मक है। स्थिर राजनीतिक शासन ने आर्थिक नीतियों को लागू करने और देश को विकास की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में पेश किया गया बजट 2025 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। इस बजट में वित्तीय अनुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। यह बजट न केवल वर्तमान आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है, बल्कि भविष्य में सतत विकास को भी सुनिश्चित करता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों के बाजार में उत्साह

सेंसेक्स 57 , निफ्टी भी 30 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही निचले स्तरों पर खरीदारी ने भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 75,996.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.25 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपर आकर 22,959 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, ज़ोमैटो और टाटा मोटर्स ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर टूटकर लाल निशान पर बंद हुए।

2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने वैश्विक तनाव के कारण इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय बाजारों से 21,272 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बढ़त रही। इन स्टॉक्स में खरीदारी से निवेशकों की कंपनियों के सुस्त परिणामों और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के सेंटीमेंट को संतुलित किया है।

निफ्टी मिडकैप100 आज 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

एनएसई पर फार्मा, बैंक, फाइनेंशियल सर्विज, हेल्थकेयर, ओएमसी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल सेक्टर ऊंचे स्तर पर बंद हुए। ग्लेनमार्क फार्मा और अजंता फार्मा की अगुवाई में निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ सेक्टरों में टॉप पर रहा। इस बीच, निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और मीडिया इंडेक्स 0.71 फीसदी तक गिरकर बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के रुख के बाद भी भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स सोमवार को 300 अंक गिरकर 75,641.41 पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में यह 75,294 अंक तक फिसल गया। सुबह यह 518 अंक गिरकर 75,421 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,809 अंक पर खुला। सुबह यह 148.20 अंक की गिरावट लेकर 22,781 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का` निक्कई 225 0.07 फीसदी` गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.47 फीसदी बढ़ा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.6 फीसदी नीचे आया। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में डाओ जोंस् 0.37 फीसदी फिसला, एसएंडपी 500 में 0.01 फीसदी की मामूली गिरावट आई, जबकि नेस्डेक कम्पो जिट 0.41 फीसदी चढ़ा।

खादिम इंडिया वितरण कारोबार अलग करेगी

कोलकाता । भारतीय जूते-चप्पल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी खादिम इंडिया लिमिटेड ने मार्च 2025 तक अपने वितरण कारोबार को अलग करने और मई तक नई इकाई के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वित्तीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है और एनसीएलटी से विभाजन की जल्दी घोषणा की उम्मीद जताई है। इस रणनीतिक कदम से खादिम की उम्मीद है कि वितरण और विनिर्माण गतिविधियों को केएफएल में विभाजित करने से मुद्दे सुलझेंगे और मुनाफे में सुधार होगा। इससे ब्रांड के 890 स्टोरों के नए उत्पादों का लाभ भी होगा। खादिम अपने वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे के विस्तार पर पूरी तरह से केंद्रित है और वसंत/ग्रीष्म ऋतु में एथलेटिक खंड की शुरुआत करने की तैयारी में है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल-दिसंबर में 12 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। गोदरेज ने कहा कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान कारोबार विकास 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। कंपनी ने कहा, हमने 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, इसलिए हम कारोबार विकास के लिए पूरे वर्ष का लक्ष्य पहले ही पार कर चुके हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निवेशकों को दी गई अपनी नवीनतम प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान 12 परियोजनाएं जोड़ी हैं, जिनका कुल अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्रफल 169 लाख वर्ग फुट है तथा 'कुल अनुमानित बुकिंग मूल्य क्षमता 23,450 करोड़ रुपये है। भविष्य कंपनी कई शहरों में भूमि मालिकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में नए व्यवसाय विकास में 30,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच सकती है।

ट्रंप प्रशासन के टैरिफ प्रभाव पर भारतीय निर्यात की उम्मीदें

नई दिल्ली । व्यापार प्रतिबंधों के चिंताओं के बावजूद, भारतीय निर्यात पर अमेरिका के द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अब न्यूनतम रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के 15-20 फीसदी के टैरिफ के बावजूद भारतीय निर्यात में केवल 3-3.5 फीसदी की कमी होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निर्यात में रणनीतिक विविधता और नए व्यापार मार्गों की खोज के द्वारा इस प्रभाव का संभावित प्रभाव भरपूर रहेगा। भारत की निर्यात रणनीति लगातार विकसित हो रही है और देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। टैरिफ संरचनाओं में परिवर्तन देश की व्यापार नीति को मजबूत कर रहा है और भारतीय सामान वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व के साथ वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी काम कर रहा है जो देश की रसद लागत कम कर सकता है और अंतराष्ट्रीय व्यापार में उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। नई आपूर्ति श्रृंखला विकसित होने से भारत के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद है और व्यापार मार्गों की नई खोज ने देश को सुरक्षित रखने में मदद की है। समर्थन और निर्यात प्रौद्योगिकियों के प्रयासों से, भारत अपनी निर्यात क्षमता में वृद्धि कर सकता है और अमेरिका के टैरिफ खत्म होने का उम्मीदवार बन सकता है।

सेल के 11 अधिकारी समय से पहले रिटायर्ड

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आचरण अनुशासन के तहत 50 वर्ष से अधिक आयु के 11 अधिकारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया है। सेल ने देर रात जारी बयान में कहा कि 50 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों की सत्यनिष्ठा और प्रभावोत्पादकता का आकलन करने की नीति है। इस संबंध में कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित विस्तृत दिशानिर्देशों में सेवा रिकॉर्ड के आधार पर अधिकारियों की प्रभावशीलता, दक्षता, आचरण और सत्यनिष्ठा की समीक्षा के लिए मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

सेल SAIL

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

ललित गर्ग

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना

नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजुक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वाताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

नाकामी का नतीजा

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़. में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़.स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़.बढ़ने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढक्ष्स्त्री भीड़.के कारण भगदड़.हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़.को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़.में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुब्बकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। निःसंदेह इतनी भारी भीड़.को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़.के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा ड़ालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़.को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़.कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े.आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

चिंतन-मनन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूणार्शों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

फिल्म संगीत से गायब होती मधुरता

भारतीय फिल्में सारी दुनिया में उत्साह और उमंग के साथ देखी जाती हैं। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों से ज्यादा उनका संगीत पसंद किया जाता था। भारतीय फिल्मों की पहचान ही उनका कर्णप्रिय और सुमधुर संगीत हुआ करता था लेकिन समय के साथ अब यह पहचान धूमिल होती जा रही है। फिल्मी संगीत अब अपनी मधुरता खोता जा रहा है। कहा जाता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा होता है। हमारी सांसे भी संगीत की ताल और लय के अनुसार चलती हैं। मधुर संगीत मनुष्य को तनावमुक्त करता है। शास्त्रीय संगीत के हर राग का अपना विशेष महत्व है। अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि मनुष्य के रोगोपचार में भी शास्त्रीय संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब विज्ञान एवं चिकित्सा जगत शास्त्रीय संगीत की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं, तब फिल्मों से गायब होता शास्त्रीय संगीत सबको चौंका देता है। आधुनिक समय में क्षणिक आनंद के लिए फिल्मों में हुल्लड़बाजी और शोर-शराबे से भरे गीत डाल दिए जाते हैं जो कुछ ही समय बाद गुमनामी की गर्त में समा जाते हैं। इसके विपरीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत लोग वर्षों बाद भी याद रखते हैं। वैसे गीत-संगीत भारतीय फिल्मों की आत्मा है और यहां वही गीत अमर हो पाते हैं जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित होते हैं। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' में कुल ग्यारह गीत थे, जो इस बात के प्रमाण हैं फिल्मों में आरंभ से ही गीत-संगीत को आवश्यक तत्व माना जाता रहा है। इस फिल्म के सभी गीत शास्त्रीय रागों पर आधारित थे। आरंभिक दौर की फिल्मों में अधिकांश गीत शास्त्रीय रागों पर ही आधारित हुआ करते थे। उसी समय बनी एक फिल्म इन्द्रसभा में तो 71 गाने थे। राग आधारित गीत चाहे वे सुख के हों या दुःख के, मिलन के गीत हों या विरह के या फिर नृत्य गीत ही क्यों न हों सभी को सुनने का एक अलौकिक आनंद होता था। इस तरह के सैकड़ों गीत वर्षों बीत जाने के बाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। सुप्रसिद्ध फिल्म 'बैजूबावरा' का गीत-मोहे भूल गये सांवरिया, तू गंगा की मौज में जमना का धारा, 'संत ज्ञानेश्वर' फिल्म का गीत 'जोत से जोत जलाते चलो'या फिर मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्म "उपकार₹ का गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती' क्या कोई कभी भी भुला सकता है? ये सभी गीत राग भैरवी पर आधारित हैं। झूमती चली हवा (फिल्म-तानसेन, राग सोहनी) मधुबन में राधिका नाचेगी (फिल्म-कोहिनूर, राह हमीर) नैनों में बदरा छाए (मेरा साया, राग हमीर) के अलावा राग हमीर के ही गीत ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी, मेघा छाए आधी रात गीत आज भी अविस्मरणीय हैं। राग मियां मल्हार के गीत बोले रे पपीहरा (गुड्डी), राग वागेश्वरी के राधा न बोले (आजाद) बसंत बहार के जा जा रे बालमा, राग कल्याण का मन रे तू काहे न धीरे धरे (चित्रलेखा), यमन कल्याण के मितवा (परिचय), तुम गगन के चंद्रमा में धरा की धूल हूं (सावित्री), लगता नहीं है मेरा दिल (लाल पत्थर), अहिर भैरव का पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, राग तिलंग का पिया तोसे नैना लागे (गाइड), राग जयजयवंती का मनमोहना बड़े झूठे, राग देशकार का ज्योति कलश छलके, राग केदार का दरशन दो घनश्याम, पल दो पल का साथ हमारा (द बर्निंग ट्रेन), राग तोड़ी का रैना बीती जाए (अमर प्रेम), राग शिवरंजनी का जरा सामने तो आओ छलिये जैसे गीत आज वर्षों बीत जाने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। आज के इस दौर में जहां केवल तेज संगीत को ही सफलता का सूत्र माना जाता है, वहां आजकल के संगीतकार भूल जाते हैं कि तेज संगीत में भी यदि कलात्मकता हो तो उसे सर्वकालीन और सर्वप्रिय बनने से कोई नहीं रोक सकता। फूहड़ और शोर-शराबे से भरपूर गीतों को क्षणिक लोकप्रियता भले ही मिल जाए लेकिन सदाबहार गीत वही हुआ करते हैं जो सरल, मधुर और कर्णप्रिय होते हैं। क्या आज के दौर के संगीतकार शंकर-जयकिशन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, फिरोज शाह, पंकज मलिक, गुलाम हैदर, खेमचंद, नौशाद, सचिन देव बर्मन, सी. रामचंद्र, रोशन, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, चित्रगुप्त या फिर आर.डी. बर्मन जैसे संगीत निर्देशकों की तरह सुरीले गीत दे पाएंगे? रीमिक्स को सफलता का पैमाने मानने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि आजकल के गाने पानी में उठे उस बुलबुले के समान हैं जो क्षण भर का मेहमान होता है जबकि पुराने संगीतकारों के शास्त्रीय संगीत युक्त गीत गगन में चमकते उस सूरज के समान हैं, जिसकी आभा कभी मद्धिम नहीं होती। इस दौर में भी प्रतिभाशाली संगीतकारों की कमी नहीं है। अब अच्छे संगीतकारों की प्रतिभा भी अपना करिश्मा नहीं दिखा पा रही है। संगीत किसी भी राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति व संस्कारों का दर्पण होता है। हमारे देश में संगीत को इतना सम्मान दिया जाता है कि देवी सरस्वती (जिन्हें संगीत की देवी भी कहते हैं) घर-घर में पूजी जाती हैं। आज भी सारी दुनिया में लता मंगेशकर और जगजीत सिंह के गीत बड़े ध्यान से सुने जाते हैं। भारतीय संगीत से सारे विश्व को गुंजायमान करने के लिए फिल्मकारों को आगे आना होगा और एक बार फिर से शास्त्रीय संगीत पर आधारित सुरीले गीतों की रचना करनी होगी तभी वे 'ज्योति कलश छलके' जैसी कालजयी रचनाओं का निर्माण कर सकेंगे।

-अंजनी सक्सेना

जयन्ती पर विशेष : धर्म अध्यात्मः महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज

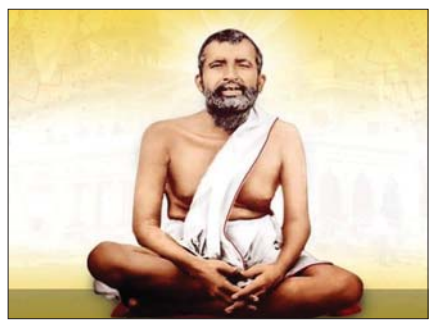

की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनर बन सकती है विक्की कौशल की छावा

दिनेश विजान निर्मित और लक्ष्मण उतेकर निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म छावा को लेकर दर्शकों में एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में कितनी दीवानगी इस बात का सबूत फिल्म की 9 फरवरी से शुरू हुई एडवांस बुकिंग से चलता है। मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित यह फिल्म साल 2025 की अब तक की हाईएस्ट ओपनर बॉलीवुड फिल्म बनने की राह पर अग्रसर है। वैलेंटाइन के दिन 14 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले ही फिल्म एडवांस बुकिंग में नया रिकॉर्ड भी बना सकती है। जब से छावा के लिए सिनेमाघरों की टिकट खिड़कियां खुली हैं तभी से जमकर टिकट बिक रही है। 9 फरवरी को ही छावा की एडवांस बुकिंग शुरू हुई थी और सिर्फ चार दिन के अंदर ही इसने करोड़ों रुपए की कमाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार (12 फरवरी) को दोपहर 1 बजे तक फिल्म 2,17,629 टिकट सेल हुई हैं। एडवांस बुकिंग के जरिए लक्ष्मण उतेकर की निर्देशित फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। जबकि ब्लॉक सीटों के साथ छावा ने 7.68 करोड़ रुपये कमाए हैं। उम्मीद है कि फिल्म पहले दिन 15 से 18 करोड़ रुपये कमा सकती है। मंगलवार को सुबह 11 बजे तक बॉक्स ऑफिस पर इसके एडवांस बुकिंग के पहले दिन करीब 1.48 लाख टिकट बिक चुके थे, जिससे कुल 4.21 करोड़ रुपए की कमाई हुई। ब्लॉक सीट डेटा सहित प्री-सेल्स बिजनेस के साथ फिल्म ने 5.53 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। कमाई के मुताबिक सबसे ज्यादा कारोबार महाराष्ट्र से हो रहा है जहां दर्शक छत्रपति संभाजी राज की यह फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि फिल्म छावा पहले दिन 15-18 करोड़ रुपए की कमाई कर सकती है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी के जीवन और उनकी वीरता पर आधारित है, जिन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब के साथ युद्ध किया था। बॉक्स ऑफिस को उम्मीद है कि छावा अजय देवगन की मराठा योद्धा तान्हाजी के ज्यादा बड़ी और भव्य फिल्म साबित हो सकती है। इस फिल्म को लेकर महाराष्ट्र के दर्शकों में जबरदस्त जुनून नजर आ रहा है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों को प्रभावित किया है। हालांकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों और संवादों को हटाने का निर्देश निर्माताओं को दिया जिसे उन्होंने तुरन्त स्वीकार करते हुए उनमें संशोधन कर दिया है। अजय देवगन की तान्हाजी ने अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था। छावा अगर उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल हो जाती है तो यह तय है कि विक्की कौशल हिन्दी सिनेमा के बड़े सितारों में शुमार हो जाएंगे।

टॉक्सिक की शूटिंग दो भाषाओं में कर रहीं हैं कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

दो भाषाओं में कियारा कर रहीं शूटिंग

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में टॉक्सिक से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं।

टॉक्सिक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म इस साल वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में चल रही है। निर्देशक गीता मोहनदास से दर्शक शानदार एक्शन और कहानी की उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

वॉर में भी जल्द आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में कियारा आडवाणी को फिल्म गेम चेंजर में देखा गया था। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ दिखी थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। वहीं, उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ दिखेंगी।

विवाद के बीच समय रैना के बचाव में आईं उर्फी

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में अभद्र टिप्पणी को लेकर रणवीर इलाहाबादिया विवादों में हैं। समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद कथित फ्रेंड समय रैना के बचाव में आई हैं।

मशहूर यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने हाल ही में समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में परिवार को लेकर अश्लील टिप्पणी की। उन्होंने जो कुछ भी कहा, उस पर विवाद हो रहा है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। रणवीर की अलोचना हो रही है तो समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूट्यूब पर आपत्तिजनक कंटेंट दिखाने के लिए समय को जेल भेजने की मांग की जा रही है। इस पर उर्फी जावेद कथित दोस्त के बचाव में आई हैं।

जेल नहीं भेजना चाहिए

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट को यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ पिछले एपिसोड को लेकर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। शो में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना की जमकर आलोचना हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्फी जावेद कहा है, भले ही पैनल पर इस तरह की टिप्पणियां की गईं, जो आपत्तिजनक थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें जेल नहीं भेजना चाहिए।

जो कहा वो गलत था, लेकिन...

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, आपको कुछ लोग पसंद नहीं हैं, आपको उनकी कही या की गई बातें पसंद नहीं हैं, लेकिन इसके लिए आप उन्हें जेल भेजने की मांग कर रहे हैं? क्या वाकई? मुझे नहीं पता। समय दोस्त है, मैं उनका साथ देती हूं, लेकिन पैनल के बाकी लोगों ने जो कहा वह आपत्तिजनक था। वह टिप्पणी आपत्तिजनक थीं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे इसके लिए जेल जाने के लायक हैं।

इमरजेंसी देख मृणाल ठाकुर ने की कंगना रनौत की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। इसके बाद उन्होंने एक ट्रोल द्वारा इसे प्रोपेगैंडा फिल्म कहे जाने के बाद कंगना का बचाव किया। मृणाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना की तारीफ की है।

मृणाल ठाकुर ने की इमरजेंसी की तारीफ

मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना रनौत की तस्वीर शेयर कर उनकी तारीफ की है। उन्होंने लिखा, मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ सिनेमाघरों में इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं! कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते, मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और यह एक बेहतरीन फिल्म थी।

मृणाल ने की कंगना की तारीफ

मृणाल ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु से लेकर मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना लगातार अपनी सीमाओं को लांघकर काम करती जाती हैं। इस फिल्म में कंगना का निर्देशन और अदाकारी दोनों शानदार हैं। कंगना, आप सिर्फ एक अभिनेता नहीं हैं। आप एक सच्ची कलाकार और प्रेरणा हैं। उनकी चुनौती पूर्ण भूमिकाएं हमेशा सबको प्रेरित करती हैं। कंगना रनौत और उनकी फिल्म की पूरी टीम ने एक बहुत शानदार मास्टर पीस बनाया है। मैं इसे बड़े पर्दे पर देख सकी, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आपकी तारीफ करना कभी बंद नहीं करूंगी। कंगना की फिल्म को लेकर मृणाल ने कहा कि पटकथा, संवाद, संगीत और संपादन बहुत अच्छे और अट्रैक्टिव हैं। उन्होंने फिल्म में नजर आए सभी कलाकारों की तारीफ की है। उन्होंने लिखा, अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

'विश्वम्भरा' के सॉन्ग सीक्वेंस के लिए शूट करेंगे चिरंजीवी

मेगास्टार चिरंजीवी की तीन फिल्में आने वाली हैं। उन्हीं में से एक है 'विश्वम्भरा', जिसकी शूटिंग अभी चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रहे हैं और अभिनेत्री त्रिशा मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चिरंजीवी फिल्म का एक गाना शूट करने वाले हैं। इस सीक्वेंस में उनके साथ और कौन शामिल होगा इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस गाने का म्यूजिक ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है कहा जा रहा है कि फिल्म 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, हालांकि निर्माताओं द्वारा इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसके स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में चिरंजीवी के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपुलेटी, ईशा चावला, आश्रिता और अन्य कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म में कुणाल कपूर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

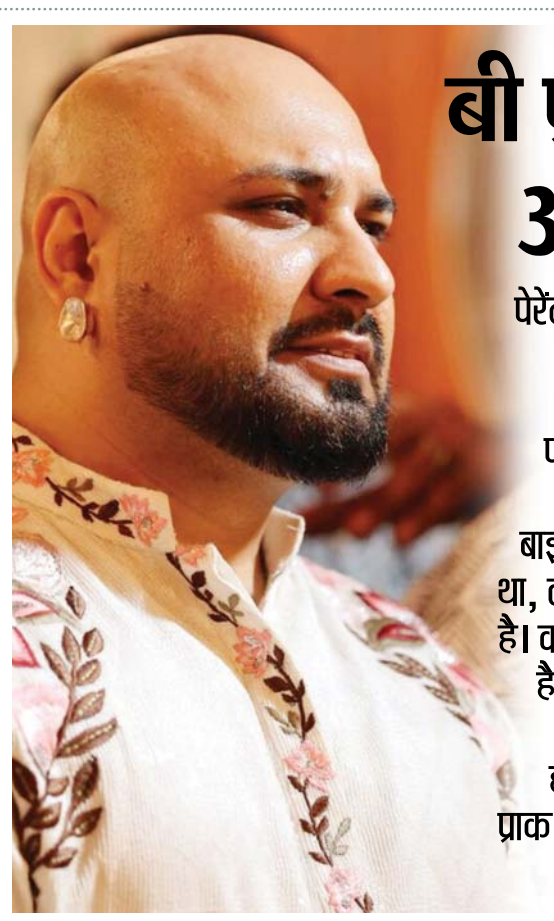

बी प्राक ने कैंसिल किया रणवीर अलाहबादिया का पॉडकास्ट

पेरेंट्स और महिलाओं पर भद्दे कमेंट मामले के बाद सिंगर बी प्राक ने यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया के पॉडकास्ट में जाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा- मैं बीयर बाइसेप्स के पॉडकास्ट में जाने वाला था, लेकिन अब इसे कैंसिल कर दिया है। वजह उनकी गिरी हुई मानसिकता है। समय रैना के शो में कैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। यह हमारा इंडियन कल्चर नहीं है। बी प्राक ने यह बातें इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहीं।

'रणवीर आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं, लेकिन सोच घटिया'

बी प्राक ने कहा, 'आप (रणवीर) अपने पेरेंट्स की कौन सी स्टोरी बता रहे हैं। आप उनकी कौन सी बातें कर रहे हैं। किस तरीके से यह बातें कर रहे हैं। यह कॉमेडी है? इसे कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं कहते। लोगों को गालियां देना, लोगों को गालियां सिखाना स्टैंड-अप कॉमेडी नहीं है। मुझे समझ ही नहीं आ रहा है कि यह कौन सी जनरेशन है। शो में एक सरदार (बलराज घई) जी आते हैं। सरदार जी आप एक सिख हैं, क्या आपको यह चीजें शोभा देती हैं। सरदार जी इंस्टाग्राम के वीडियो में कहते हैं कि मैं गालियां देता हूं, क्या प्रॉब्लम है। हमें प्रॉब्लम है और रहेगी। रणवीर अलाहबादिया आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं। इतने बड़े-बड़े लोग आपके पॉडकास्ट में आते हैं, बड़े-बड़े संत आते हैं और आपकी इतनी घटिया सोच है। आप इतने फेमस हो गए हैं। आपको तो यह दिखाना चाहिए कि अपने कल्चर को कैसे प्रमोट करें।'

सिंगर कहते हैं, 'दोस्तों मैं आपसे एक ही बात बोलूंगा कि अगर हम यह सारी चीजें नहीं रोक पाए, तो हमारी आने वाली जनरेशन का भविष्य बहुत खराब होगा। मैं समय रैना समेत सभी कॉमेडियन से हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि ऐसा मत करिए। हमारे इंडियन कल्चर को बचा कर रखिए और लोगों को मोटिवेट करिए। ऐसा कंटेंट बनाइए कि आने वाली जनरेशन को प्रेरणा मिले। थैंक्यू, राधे-राधे।

इंडियाज गॉट लेटेंट स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना का शो है, जिस पर विवाद हो रहा है। यह एपिसोड 8 फरवरी को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद एपिसोड को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस शो में पेरेंट्स और महिलाओं को लेकर ऐसी बातें कही गईं। समय रैना के इस शो में बोल्ड कॉमेडी कंटेंट होता है। शो के दुनियाभर में 73 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। शो के हर एपिसोड को यूट्यूब पर औसतन 20 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिलते हैं। समय और बलराज घई को छोड़कर शो के हर एपिसोड में जज बदलते रहते हैं। हर एपिसोड में नए कंटेस्टेंट को परफॉर्म करने का मौका मिलता है। कंटेस्टेंट को अपना टैलेंट दिखाने के लिए 90 सेकेंड दिया जाता है।

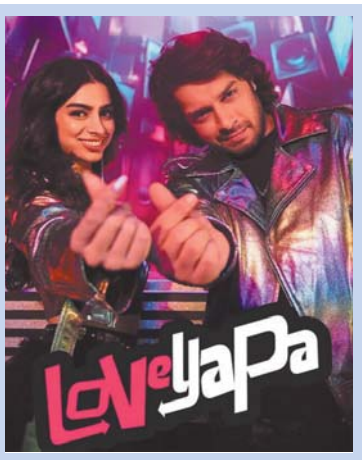

दर्शकों को नहीं पसंद आई जुनैद-खुशी की कॉमेडी

लवयापा बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने की कगार पर पहुंच चुकी है। यह फिल्म अपने बजट का मुश्किल से 10 फीसदी ही कमा सकी है। सप्ताहांत के बाद फिल्म की कमाई अब लाखों तक ही सीमित रह गई है। सोमवार को इस फिल्म ने 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, पांचवें दिन इस फिल्म ने 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब पांच करोड़ 60 लाख रुपये हो गई है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में शमी के पास रहेगी भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान

अर्शदीप सहित अन्य युवा गेंदबाजों को करेंगे प्रेरित

वडोदरा (एजेंसी)। बेंगलुरू (ईएमएस)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस बार भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान अनुभवी मोहम्मद शमी के पास रहेगी। शमी इसे समझते हैं और इसी लिए वह दुबई पहुंचते ही अभ्यास करते दिखे। शमी एक साल से अधिक समय के बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें लय हासिल करने में थोड़ा समय जरुर लग सकता है पर उसके बाद उन्हें खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहेगा। प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी के होने से टूर्नामेंट में बुमराह की कमी काफी हद तक पूरी हो जाएगी। बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। शमी की तैयारियों और फिटनेस को लेकर काफी आशंकाएं भी हैं। भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। शमी ने चोट से उबरने के बाद घरेलू क्रिकेट के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेली थी पर उनकी गेंदबाजी में पहले वाली धार नहीं दिखी। बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ़ जाएंगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में शमी को बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा से सहायता मिलेगी पर जहां अर्शदीप बुमराह के स्तर के गेंदबाज नहीं हैं वहीं राणा एकदम नये गेंदबाज हैं। इसी को लेकर पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती से निपट सकेंगे। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 एकदिवसीय विश्व कप और 2023 विश्व कप में अच्छी गेंदबाज की थी। शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी। उन्होंने कहा, 'अगर भारतीय टीम को अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नई गेंद से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पहले छह ओवर में नई गेंद से अच्छा प्रदर्शन भारत के लिए अंतर पैदा करेगा। अगर शमी शुरुआती विकेट दिलाते हैं तो भारतीय टीम का मनोबल काफी बढ़ेगा। शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों को प्रेरित कर उनसे बेहतर प्रदर्शन लेना भी रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच

लाहौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। पाकिस्तान गत चैंपियन भी है जिसने 2017 इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत को हराकर खिताब जीता था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 'एक्स' पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए लाहौर पहुंच गई है। वे 22 फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना पहला मैच खेलेंगे।' टीम दो समूह में पाकिस्तान पहुंची। पहले समूह में कप्तान स्टीव स्मिथ, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल थे जो दुबई के रास्ते कोलंबो से पाकिस्तान पहुंचे। दूसरा समूह भी कोलंबो से दुबई होते हुए लाहौर पहुंचा जिसमें 15 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के दो अतिरिक्त सदस्य शामिल थे।

हाइब्रिड मॉडल समझौते के अनुसार अपने सभी मैच दुबई में खेलने वाले भारत की तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम भी चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी क्योंकि वे हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलकर यहां आए हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया अपना दूसरा मैच 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगा जबकि 28 फरवरी को फिर से गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला खेलेगा।

बुमराह की गैर मौजूदगी से उम्मीदें जगी, चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बोले बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज

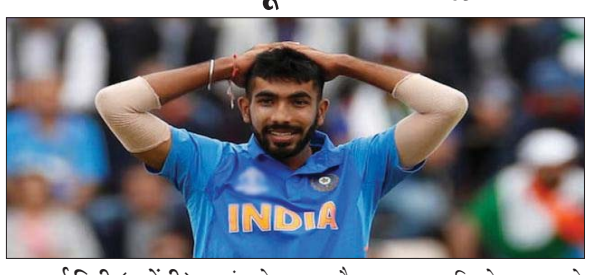

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के तेज आक्रमण को दबाव में लाने का मौका होगा।

कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है। लेकिन बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को फायदा मिलेगा।'

कायेस ने बांग्लादेश के लिए 39 टेस्ट, 78 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी पर भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की जिम्मेदारी होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है। वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है लेकिन लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये बड़ा खतरा होगा।'

बांग्लादेश टीम में अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और खराब फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है। इस समय बांग्लादेश की टीम संघर्ष कर रही है क्योंकि अगर शाकिबत नहीं खेलता है तो उन्हें एक अतिरिक्त स्पिनर उतारना होगा।'

उन्होंने कहा, 'लिटन का फॉर्म भी चिंता का सबब है लेकिन बीपीएल के कुछ मैचों में उसने रन बनाए हैं। सौम्य सरकार और तंजीद तमीम ने भी रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि टीम को बल्लेबाजी में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मेहदी हसन मिराज चैम्पियन खिलाड़ी है और वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है।'

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंचते ही भारतीय टीम अभ्यास में जुटी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत के इरादे से दुबई पहुंची भारतीय टीम ने समय गंवाये ही अभ्यास शुरु कर दिया है। इसके तहत कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित पूरी भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान में उतरी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट ने फार्म हासिल कर लिया है और ऐसे में ये अभ्यास सत्र में उत्साहित दिखे।

इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ बात करते और सलाह लेते हुए दिखे। इसके बाद शमी ने जमकर गेंदबाजी की। वहीं ऑलरांडर हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर ने कुलदीप यादव और अन्य स्पिनरों की गेंदें खेलीं। इस दौरान पांड्या के एक शॉट से ऋषभ पंत के घुटने में गेंद लगी हालांकि उपचार के बाद कुछ ही देर में ऋषभ को राहत मिल गयी और वह पैड पहनकर बल्लेबाजी अभ्यास करने पहुंच गये।

रोहित ओर कोहली ने भी इस दौरान जमकर अभ्यास किया। नेट अभ्यास के दौरान तेज गेंदबाज हर्षित राणा, स्पिनर वरूण चक्रवर्ती के अलावा ऋषभ ने फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ अभ्यास किया। भारतीय टीम पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना पाकिस्तान से होगा। भारत अपना अंतिम लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम आसानी से पाकिस्तान को हरा देगी : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि 23 फारवरी को पाकिस्तान से होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लीग मैच में भारतीय टीम आसानी से जीतेगी। हरभजन ने कहा कि हाल के समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन दोनो टीमों का रहा है उसको देखते हुए इसमें भारतीय टीम हावी रहेगी। हरभजन ने कहा है कि इस मुकाबले को जरुरत से ज्यादा हाइप दी जा रही है। हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाक को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार हार का सामना करना पड़ा था। पाक को पहले लीग चरण और उसके बाद फाइनल में हार मिली थी। जिसमें पहले लीग चरण और फिर फाइनल में उसे हार मिली थी। पाकिस्तान की एकमात्र जीत इस सप्ताह की शुरुआत में कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 353 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली थी। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 और फिर एकदिवसीय सीरीज में जीत हासिल की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। हरभजन ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को बहुत ज़्यादा बातें हो रही हैं पर इसमें कुछ भी विशेष नहीं है। भारतीय टीम बेहतद मजबूत है और कहीं भी जीत सकती है जबकि पाक को हाल ही में अपनी धरती पर भी न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। अगर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के आंकड़े देखें तो आपको सही स्थिति दिखेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पाक टीम अभी संघर्ष कर रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम रन नहीं बना पा रहे हैं, ऐसे में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में उतर रही टीम की राह बेहद कठिन है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि आंकड़े उन मैचों से बनते हैं जो पहले खेले जा चुके हैं और कोई भी भविष्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता पर एक भविष्यवाणी के तौर पर मुझे लगता है कि दोनों टीमों में बहुत अंतर है। भारतीय टीम परिपक्व दिख रही है जबकि पाकिस्तान के पास अनुभव की कमी है। इस बार उसके गेंदबाज भी फार्म में नहीं हैं।

आकाश चोपड़ा बोले, चैम्पियंस ट्रॉफी हो सकता है इन खिलाड़ियों का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद तीन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा खेल से संन्यास ले सकते हैं। इन तीनों ने ही पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। चोपड़ा का मानना है कि बढ़ती उम्र और खराब फार्म को देखते हुए इन तीनो ही क्रिकेटरों के संन्यास का समय भी करीब आ गया है। ऐसे में उन्हें लगता है कि चैम्पियंस ट्रॉफी तीनो का ही अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। इन क्रिकेटरों को ये अंदाजा है कि भविष्य की योजनाओं का वे हिस्सा नहीं है। ऐसे में ये स्वयं ही युवाओं के लिए जगह खाली कर देंगे। चोपड़ा ने कहा. 'चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अगला आईसीसी इवेंट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल है जिसमें भारतीय टीम नहीं पहुंची है। ऐसे में कोहली, रोहित या जडेजा के पास खेलने का कोई अवसर नहीं है। वहीं अगला आईसीसी इवेंट अगले साल टी20 विश्व कप है और इस प्रारुप से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। इसके बाद 2027 में एकदिवसीय विश्व कप है और तब तक ये तीनो ही 40 के करीब पहुंच जाएंगे और ऐसे में इनके खेलने की कोई संभावना नहीं है। चोपड़ा ने कहा कोहली और जडेजा भले ही अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं पर सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत को इन खिलाड़ियों की जरूरत है या उस समय बेहतर विकल्प हैं। अगर है तो हमें उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं को अवसर देना चाहिये।

चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े के करीब भी हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 12 रन की जरुरत है! ऐसा करने पर वह सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन जाएंगे। उनके पास इस टूर्नामेंट में 50 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरे करने का भी मौका होगा। उनके नाम अभी तक 49 शतक हैं। ऐसे में उन्हें केवल एक शतक चाहिये। इसके अलावा रोहित के पास चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर भी है। रोहित ने अभी तक 260 पारियों में 338 छक्के लगाये हैं। वह अगर टूर्नामेंट में 12 छक्के और लगाते हैं तो 300 से कम पारियों में 350 छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे ज्यादा छक्के केवल शाहिद अफरीदी के नाम हैं। अफरीदी ने 369 पारियों में 351 छक्के लगाये हैं। वहीं रोहित 527 पारियों में 631 छक्कों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

जर्मनी के खिलाफ जीत की लय को कायम रखने उतरेगी भारतीय पुरूष हॉकी टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। खराब शुरूआत के बाद अपने अभियान को ढर्रे पर लाने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में मंगलवार को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ जीत की लय को कायम रखने उतरेगी। भारत को प्रो लीग के घरेलू चरण के पहले मैच में स्पेन ने 3.1 से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने हालांकि मजबूती से वापसी करते हुए रिटर्न मैच में स्पेन को 2.0 से मात दी। दो मैचों में तीन अंक लेकर भारत अब तालिका में आठवें स्थान पर है और अगले मुकाबले जीतकर ऊपर जाना चाहेगा।

भारतीय टीम ने रविवार को जबर्दस्त खेल दिखाते हुए मनदीप सिंह और दिलप्रीत सिंह के गोल के दम पर जीत दर्ज करके पूरे तीन अंक हासिल किया। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन हालांकि पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं हो पाने से परेशान होंगे। भारत को दो मैचों में सात पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन एक पर भी गोल नहीं हो सका। कप्तान हरमनप्रीत सिंह को दूसरे मैच में आराम दिया गया था जिनकी जगह उतरे हॉकी इंडिया लीग के स्टार जुगराज सिंह कमजोर साबित हुए। दिलप्रीत, मनदीप और सुखजीत सिंह अभी तक एक एक गोल कर चुके हैं और जर्मनी के खिलाफ इसमें इजाफा करना चाहेंगे। भारतीय डिफेंस ने भी दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय चरण में अपना पहला मैच खेल रही जर्मन टीम चार मैचों में चार अंक लेकर सातवें स्थान पर है। जर्मनी ने अभी तक एक ही मैच जीता है लेकिन रफेल हार्टकोफ, गोंजालो पेलाट और थियेस प्रिंज जैसे उसके फॉरवर्ड खिलाड़ी दो दो गोल कर चुके हैं।

दोनों टीमों का सामना अक्टूबर 2024 में दिल्ली में दो मैचों की श्रृंखला में हुआ था जिसमें जर्मनी ने पहला और भारत ने दूसरा मैच जीता। जर्मनी ने शूटआउट में श्रृंखला अपने नाम की। आगामी मैचों के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, 'जर्मनी की टीम बहुत अच्छी है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्पेन के खिलाफ मिली जीत से हौसले बुलंद है लेकिन अभी भी प्रदर्शन में काफी सुधार करना है। पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करना होगा।'

दुबई इंटरनेशनल स्टेडिम में पिछली हार का हिसाब बराबर कर पायेगी भारतीय टीम ?

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को होने वाले मुकाबले का सभी प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में दोनो ही टीमों के प्रशंसकों की खासी तादाद भी रहेगी। मैच के सभी टिकट पहले ही बिक गये हैं और सभी को उम्मीद है कि उन्हें एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और पाक का ये मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच जिस मैदान पर होने जा रहा है वहीं 2021 में पाक ने जीत हासिल की थी। ऐसे में देखना होगा होगा कि भारतीय टीम पिछल हार का हिसाब बराबर कर पाती है या नहीं। उसे इस बार उतरते समय सावधान रहना होगा क्योंकि उसपर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। पाक टीम तब हुए उस मुकाबले में 10 विकेट से जीत थी और उसे किसी आईसीसी विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ पहली जीत मिली थी। उस मैच में शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट विकेट लिए थे जबकि बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ 152 रन का की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई थी। तब जसप्रीत बुमराह भी विकेट लेने में विफल रहे थे। भारतीय टीम ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कुल 6 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 5 में उसे जीत मिली है जबकि 1 मैच टाई रहा है। वहीं पाकिस्तान ने दुबई के इस मैदान पर 22 मैचों में से 8 जीते है जबकि 13 में वह हारी है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। पाकिस्तान की टीम ने दुबई में भारत से ज्यादा टी20 मुकाबले खेले हैं, ऐसे में वह मैदानों की अभ्यस्त है। इसमें भी उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है।

मुकेश कुमार के प्रयासों से गोपालगंज में खुलेगी क्रिकेट एकेडमी

गोपालगंज (एजेंसी)। क्रिकेटर मुकेश कुमार के प्रयासों से अब बिहार के गोपालगंज जिले में भी एक अत्याधुनिक क्रिकेट एकेडमी खुलने जा रही है। इसके साथ ही यहां पर नया क्रिकेट स्टेडियम भी बनेगा। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मुकेश आजकल गोपालगंज जिले में स्थित अपने पैतृक आवास को देखने पहुंचे हैं। इस क्रिकेटर ने जिले के युवाओं के लिए कई नए प्रयास शुरू किए हैं। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित क्रिकेट कार्यशाला में भी उन्होंने युवाओं को टिप्स दिये हैं। मुकेश ने जिला प्रशासन से क्रिकेट एकेडमी के लिए जमीन मांगी है। उन्होंने कहा कि गोपालगंज की युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, केवल उन्हें बेहतर ट्रेनिंग की जरूरत है। उन्होंने जिला प्रशासन से क्रिकेट एकेडमी के लिए दो एकड़ के करीब जमीन मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने स्टेडियम बनाने के लिए सहायता मांगी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम बनाने में कई तरह के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है, इसके लिए नेशनल स्तर के विशेषज्ञ को गोपालगंज भेजा जाना चाहिये। मुकेश शहर के मिंज स्टेडियम में अभ्यास कर रहे है। वह आइपीएल के 18वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते दिखेंगे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में अर्शदीप को निशाना बनाये विरोधी टीमें : डेविड लॉयड

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने कहा है चैम्पियंस ट्रॉफ में भारतीय टीम को अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। लॉयड का मानना है कि बुमराह की अनुपस्थिति विरोधी टीमों के बल्लेबाजों का अर्शदीप सिंह को निशाना बनाना चाहिये। लॉयड के अनुसार बुमराह के नहीं होने पर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा जिसका लाभ विरोधी टीमों को मिलेगा।

टीम के पास केवल एक अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ही हैं। शमी भी लंबे समय के बाद चोट से उबरकर लौटे हैं। ऐसे में वह पहले जैसी गेंदबाजी शायद ही कर पाये। ऐसे में टीम के पास केवल युवा अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाह हैं। इन दोनो ने कुल 12 एकदिवीसीय खेले हैं। जिसमें से 9 अर्शदीप ने खेले हैं जबकि हर्षित ने तीन मैच खेले हैं।. लॉयड ने आगे कहा, 'अगर आप विरोध टीम के बल्लेबाज हैं, तो अर्शदीप को निशाना बनाये। आप आक्रमण कर उसे चुनौती दें। यह टी20 क्रिकेट नहीं. आपको खेलेने के लिए लंबा समय मिलेगा। अर्शदीप अब तक अधिककतर टी20 मैचों में ही सफल रहे हैं। 63 टी20 मैचों में उनके नाम 99 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर, 9 एकदिवसीय मैचों में अर्शदीप को कुछ ही विकेट मिले हैं।

बिना नाकामी के कामयाबी नहीं, कड़ी मेहनत करते रहो : मैरी कॉम-लेखरा-सुहास

दुबई (यूएई) (एजेंसी)। नई दिल्ली = महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास यथिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है। तीनों खिलाड़ियों ने बच्चों को नाकामी से उबरने, फोकस बनाये रखने और सुनौतियों का सामना करने की भी सलाह दी।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बच्चों के लिए 2018 से आयोजित किया जा रहा है। दो बार की पैरालम्पिक चैम्पियन निशानेबाज लेखरा ने कहा, 'लोग कहते हैं कि सफलता असफलता की विलोम है। लेकिन मेरा मानना है कि नाकामी ही कामयाबी का सबसे बड़ा हिस्सा है। नाकामी के बिना कभी कामयाबी नहीं मिलती।'

आम तौर पर टाउन हॉल प्रारूप में होने वाला परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इस बार दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों को स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब देने के लिए बुलाया। उन्होंने 10 फरवरी को इसकी शुरूआत खुद की। छह बार की विश्व चैम्पियन और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने मुक्केबाजी कैरियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

मैरी कॉम ने कहा, 'मुक्केबाजी महिलाओं का खेल नहीं है। मैने यह चुनौती स्वीकार की क्योंकि मैं खुद को साबित करना चाहती थी और देश की सभी महिलाओं को बताना चाहती थी कि हम कर सकते हैं और मैं कई बार विश्व चैम्पियन बनी।' उन्होंने कहा, 'आपके जीवन में भी अगर आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं तो भीतर से मजबूत होना होगा। शुरूआत में मैने कई चुनोतियों का सामना किया। कई बार मैं हतोत्साहित हो जाती थी क्योंकि चुनौतियां काफी थी।' उन्होंने कहा, 'हर क्षेत्र कठिन है। कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपको मेहनत करनी होती है। अगर मैं कर सकती हूं तो आप क्यो नहीं।'

दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता बैडमिंटन स्टार और आईएएस अधिकारी सुहास ने कहा, 'अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलती। सफर चलता रहना चाहिए। सूरज की तरह चमकना है तो जलने के लिए भी तैयार रहना होगा।' बच्चों ने दबाव, आशंकायें, बेचैनी और भटकाव से जुड़े कई सवाल पूछे। सुहास ने बताया कि कैसे नाकामी के डर को मिटाने से उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में मदद मिली।

उन्होंने कहा, 'आपका दिमाग ही आपका सबसे बड़ा दोस्त और दुश्मन है। मैने 2016 में एशियाई चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मैं इतना डर गया था कि पहला मैच हार गया और दूसरे में पीछे चल रहा था। फिर 30 सेकंड के ब्रेक के दौरान मैने खुद से कहा कि जब इतनी दूर आये हो तो सबसे बुरा यही हो सकता है कि आप हार जाओगे। हार के डर से उबरकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाओ।' सुहास ने कहा, 'मैने वह मैच ही नहीं बल्कि छह मैच और जीते और चीन में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला गैर वरीय खिलाड़ी बना। सबक यह है कि हार के डर से उबर जाओ, सामने कौन है इसके बारे में सोचे बिना अपना सर्वश्रेष्ठ दो।'

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील में विमान दुर्घटना, दो की मौत

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में शनिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह निजी विमान क्वाड्रा नगरपालिका में वनस्पति में गिरा, जो राज्य की राजधानी से करीब 160 किलोमीटर दूर है। स्थानीय अग्निशामकों ने दो जले हुए शव बरामद किए हैं, लेकिन अधिकारियों ने उनकी पहचान नहीं बताई है। इस दुर्घटना से पहले, ब्राजील की वायु सेना ने इस वर्ष 19 हवाई जहाज दुर्घटनाएं दर्ज की थीं, जिनमें से पांच घातक थीं। 7 फरवरी को, साओ पाउलो में एक और छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और विमान के मालिक की मौत हो गई। अगस्त 2024 में, साओ पाउलो के पास विन्हेडो में एक विमान दुर्घटना में विमान में सवार सभी 72 लोग मारे गए थे।

सिंध में तीर्थयात्रियों से भरी वैन के पलटने से चार मरे, 10 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत स्थित नवाबशाह में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक वैन के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना अमरी रोड पर हुई, जब सेहवान शरीफ जा रही एक तेज रफ्तार वैन ने नियंत्रण खो दिया और पलट गई। मृतकों व घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था। पीड़ितों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है।

बेरूत में शांति मिशन पर हुए हमले में डिप्टी कमांडर घायल

बेरूत, एजेंसी। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के निवर्तमान डिप्टी कमांडर एक हमले में घायल हो गए हैं। यह हमला उस वक्त हुआ जब शांति सैनिकों को बेरूत हवाई अड्डे पर ले जाए जा रहे थे। यूनीफिल ने कहा, आंतरिक मंत्री अहमद अल-हज्जर ने सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए शनिवार को आपातकालीन बैठक बुलाई। लेबनानी मंत्री ने कहा, अपराधियों की पहचान करने और उन्हें संबंधित न्यायिक अधिकारियों को संदर्भित करने के काम करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

गुब्बारों में लगी आग से बाल-बाल बचे नेपाली उप प्रधानमंत्री पौडेल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के उप प्रधानमंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल और पोखरा के मेयर धनराज आचार्य शनिवार को एक घटना में बाल-बाल बच गए। एक समारोह के दौरान हाइड्रोजन गैस भरे गुब्बारों में आग लग गई। कार्यक्रम में मौजूद उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री पौडेल के अलावा पोखरा के मेयर धनराज की आग की चपेट में आ गए। इसके बाद दोनों नेताओं को एयरलिफ्ट कर राजधानी काठमांडो के बर्न अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रूसी समकक्ष लावरोव से मार्को रुबियो ने की बात

मास्को, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से बात की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर मिलकर काम करने के संभावित अवसरों पर भी चर्चा की। यह बातचीत इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के बाद हुई। इस सप्ताह की शुरुआत में, ट्रंप ने कहा था कि उनकी पुतिन के साथ एक उत्पादक फोन कॉल हुई, जिसमें उन्होंने यूक्रेन में संघर्ष को तुरंत खत्म करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई। यूक्रेन के अलावा, दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऊर्जा और अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

मानवाधिकार समूहों की एपल यूजर डाटा पर ब्रिटिश आदेश की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। मानवाधिकार निगरानी समूह 'एचआरडब्ल्यू' समेत अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने ब्रिटेन सरकार के हाल ही में दिए गए उस आदेश की निंदा की है जिसमें एपल से एन्कक्रप्टेड उपयोग कर्ता डाटा तक पहुंच देने की मांग की गई है। ब्रिटिश गृह मंत्रालय द्वारा जनवरी में जारी आदेश एपल के उन्नत डाटा सुरक्षा फीचर को लक्षित करता है, जो क्लाउड-स्टोर किए गए डाटा को सुरक्षित करने के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन का उपयोग करता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और एचआरडब्ल्यू ने कहा, यह सरकारी आदेश गोपनीयता के अधिकारों को नुकसान पहुंचाता है।

पाकिस्तान के नागरिकों ने 12 देशों में तोड़ा कानून, 131 का निर्वासन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के नागरिकों की विदेशों में साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 12 देशों से अब तक 131 लोग विभिन्न कानूनी उल्लंघनों के कारण निष्कासित किए जा चुके हैं। इसमें नशीली दवाओं से संबंधित अपराध, अवैध प्रवेश और रोजगार नियमों का पालन न करना शामिल है। कई देशों के अधिकारियों ने स्थानीय कानूनों के उल्लंघन का हवाला देते हुए इन्हें निर्वासित किया। सऊदी अरब ने निर्वासन का नेतृत्व किया, जिसने नशीली दवाओं की तस्करी में कथित संलिप्तता और बिना पूर्व सूचना के नौकरी छोड़कर रोजगार समझौतों का उल्लंघन करने के आरोप में 74 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया।

पाकिस्तान में हुए दो हादसों में कम से कम 16 लोगों की मौत,

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने बताया है कि लाल शाहबाज कलंदर के उर्स से पहले पाकिस्तान के सिंध के सेहवान शहर की ओर जा रहे वाहनों की दो दुर्घटनाओं में शनिवार को कम से कम 16 यात्रियों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए। सिंध के शहीद बेनजीराबाद जिले के काजी अहमद कस्बे के पास वैन के ट्रेलर से टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, पाकिस्तान के पंजाब के बुरेवाला इलाके के 11 यात्रियों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना खैरपुर जिले के रानीपुर के पास हुई।

काजी अहमद स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) वसीम मिर्जा ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है और कहा है कि यह दुर्घटना काजी अहमद के पास अमरी रोड पर हुई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मिर्जा ने कहा कि श्रद्धालुओं को लेकर वैन जामशोरो जिले के सेहवान शहर में लाल शाहबाज कलंदर की दरगाह की ओर जा रही थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया, ÷तेज़ रफ़्तार वैन ने पहले एक गधा गाड़ी को टक्कर मारी, उसके बाद सामने से आ रहे एक ट्रेलर से जोरदार टक्कर हुई।÷ मिर्जा के अनुसार, बचाव दल और पुलिस पहले मौके पर पहुँची और दो शवों और घायल लोगों को काजी अहमद तालुका अस्पताल ले गई। वसीम मिर्जा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को नवाबशाह स्थित पीपुल्स यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज फॉर विमेन में रेफर किया गया, जहां तीन को मृत घोषित कर दिया गया।

खैरपुर के डिप्टी कमिश्नर अहमद फवाद शाह ने बताया कि बुरेवाला से आ रही एक स्थानीय बस रानीपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर रहे एक रिक्शा से टकरा गई। शाह के अनुसार, ड्राइवर ने शायद रिक्शा को बचाने की कोशिश की होगी। अहमद फवाद शाह ने बताया कि इस दुर्घटना में 11 यात्रियों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। यह स्पष्ट नहीं है कि रिक्शा में बैठे लोग भी हताहत हुए हैं या नहीं। मृतकों और घायलों को इलाज के लिए तीन अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया, जिनमें ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र (आरएचसी) हिंगोरजा और रानीपुर के अलावा गंबाट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड साइंसेज (जीआईएमएस) खैरपुर शामिल हैं। एसएसपी खैरपुर तौहीद मेमन ने बताया कि बस रिक्शा से टकराने के बाद पलट गई।

उन्होंने कहा, ÷सभी मृतक और घायल बुरेवाला से आए थे और कलंदर के उर्स में शामिल होने के लिए सेहवान जा रहे थे।÷ उन्होंने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं और उसके बाद घायलों और घटना में मारे गए लोगों को बुरेवाले, वेहारी ले जाया जाएगा।

पाकिस्तान में फंसे 15 हजार अफगानी नागरिक

ट्रम्प ने अमेरिका आने पर रोक लगाई, बाइडेन ने शरण देने का वादा किया था

इस्लामाबाद, काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की तालिबानी सत्ता के डर से अमेरिका जाने वाले अफगानी लोग अब पाकिस्तान में फंस गए हैं। वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का शरणार्थियों को लेकर जारी कार्यकारी फरमान। इस आदेश के तहत अगले 90 दिनों तक किसी भी देश से शरणार्थी अमेरिका नहीं आ सकते हैं। पाकिस्तान में 15 हजार से ज्यादा शरणार्थी ऐसे हैं जिन्हें बाइडेन प्रशासन ने अपने देश में आने की इजाजत दे दी थी। बता दें कि अमेरिका ने 2021 में अफगानिस्तान छोड़ने से पहले हजारों शरणार्थियों को देश में जगह देने का वादा किया था। लेकिन ट्रम्प के आदेश के चलते इन सब शरणार्थियों का भविष्य अब अधर में लटक गया है। उन्हें डर है कि वापस लौटे तो तालिबानी सत्ता जिंदा नहीं छोड़ेगी।

पाकिस्तान ने 31 मार्च तक देश छोड़ने का आदेश दिया : अफगानिस्तान के लोग इन दिनों इस्लामाबाद-रावलपिंडी में सड़कों पर हैं। उनकी मांग है कि ट्रम्प इस फैसले को पलटें नहीं तो उन्हें संकट का सामना करना पड़ेगा। इस बीच पाकिस्तान सरकार ने अफगानिस्तान के शरणार्थियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। पाक सरकार का कहना है कि जो अफगान शरणार्थी किसी तीसरे देश में स्थानांतरित नहीं हो सकते, उन्हें 31 मार्च 2025 के बाद पाकिस्तान छोड़ना होगा। शरणार्थी समूहों ने पाक की शहबाज सरकार के इस ऐलान की आलोचना की है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान लौटने पर इनकी जान को खतरा है। ट्रम्प को फैसले पर विचार करना चाहिए। अफगान इवैक समूह के संस्थापक शॉन का कहना है कि इस संकट के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों का संकट : तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया, जिनमें सबसे अधिक लोग पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जिनमें से अधिकांश 1980 के दशक में सोवियत आक्रमण के दौरान आए थे। तालिबान की वापसी के बाद 6 लाख से अधिक नए शरणार्थी पाकिस्तान पहुंचे। 2023 के अंत तक पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू कर दिया था। पाकिस्तान ने 15 लाख से अधिक अवैध अफगानों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। तालिबान सरकार ने पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। लेकिन पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय हितों का हवाला देकर इस कार्रवाई को जारी रखा है।

ऑस्ट्रिया में 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह लोगों पर चाकू से किया हमला; एक की मौत

विएना, एजेंसी। दक्षिणी ऑस्ट्रिया में शनिवार को एक 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह राहगीरों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह एक आकस्मिक हमला था, जिसमें एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को विलाच शहर में हिरासत में लिया गया, जहां हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि वह सीरियाई नागरिक है और ऑस्ट्रिया में उसका कानूनी निवास है। पुलिस प्रवक्ता रेनर डायोनिसियो ने कहा कि अभी तक हमलावर की मंशा का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस हमलावर की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, हमें सुरक्षित जानकारी मिलने तक इंतजार करना होगा। पुलिस ने बताया कि एक 42 वर्षीय व्यक्ति जो एक खाद्य वितरण कंपनी के लिए काम करता है, उसने अपनी कार से घटना को देखा। डायोनिसियो ने ऑस्ट्रिया के सार्वजनिक प्रसारक ओआरएफ को बताया कि वह संदिग्ध की ओर चला गया और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद की। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित पुरुष थे, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हुए और दो को मामूली चोटें आईं। शनिवार को बाद में पुलिस ने बताया कि हमले में एक पांचवां व्यक्ति भी घायल हुआ है, जो कि एक पुरुष है। ऑस्ट्रिया के कैरिंथिया प्रांत के गवर्नर पीटर कैसर ने 14 वर्षीय पीड़िता के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

यूरोप पर हमला करने की तैयारी कर रहा रूस, यूरोपीय सेना बनाने की जरूरत, यूक्रेनी राष्ट्रपति का दावा

म्यूनिख, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों के अपील की है कि उन्हें एक संयुक्त सेना बनाने की जरूरत है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अपने संबोधन में जेलेंस्की ने आशंका जताई कि अमेरिका, यूरोप को मुद्दों को न भी कह सकता है और अगर ऐसा हुआ तो यूरोप की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। जेलेंस्की ने ये भी दावा किया कि उन्हें अपनी खुफिया एजेंसी से पता चला है कि रूस इन गर्मियों में ही यूरोप को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा है।

यूरोप को सेना बनाने की जरूरत : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे विश्वास है कि यूरोप के लिए अब अपनी खुद की सशस्त्र सेना बनाने का समय आ गया है। ईमानदारी से कहूं तो अब हम इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि अमेरिका उन मुद्दों पर यूरोप को नहीं कह सकता है, जो उसके लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि यूरोप को एकजुट होने और एक समान विदेश और रक्षा नीति बनाने की जरूरत है, जो अमेरिका को दिखाए कि ब्लॉक अपनी सुरक्षा के बारे में गंभीर है। उन्होंने कहा, यूरोप के पास वह सब कुछ है जिसकी उसे जरूरत है। उसे बस एक साथ आकर काम करने की जरूरत है ताकि कोई भी उसे नहीं न कह सके, उस पर हुक्म न चला सके या उसे आसानी से हरा न सके।

यूरोप पर हमले की योजना बना रहे पुतिन : जेलेंस्की ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने सशस्त्र बलों में 150,000 सैनिकों को शामिल कर रहे हैं, जो कि अधिकांश यूरोपीय सेनाओं से बड़ा आंकड़ा है। रूस में हर सप्ताह सेना भर्ती कार्यालय खोले जा रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी खुफिया सेवाओं के पास स्पष्ट खुफिया जानकारी है कि इस गर्मी में रूस प्रशिक्षण अभ्यास के बहाने बेलारूस में सेना भेजने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह यूरोपीय देशों के खिलाफ अभियान की शुरुआत हो सकती है। हालांकि नाटो की सैन्य समिति के अध्यक्ष एडमिरल ग्यूसेप कैवो ड्रैगन ने कहा कि फिलहाल उनके पास ऐसी पुष्ट जानकारी नहीं है।

अपने भाषण में, जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को झूठा करार दिया और कहा कि वे असल सुरक्षा गारंटी नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि हमारी भागीदारी के बिना हमारी पीठ पीछे किए गए सौदों को यूक्रेन से कभी स्वीकार नहीं करेगा। जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि यूक्रेन का उत्तरी अटलांटिक संधि गठबंधन (नाटो) में भविष्य है। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बयानों के बावजूद आई है, जिसमें उन्होंने यूक्रेन को नाटो में शामिल करने से इनकार कर दिया है।

जयशंकर ने इजराइली समकक्ष सार और फिजी के पीएम राबुका से मुलाकात की

म्यूनिख, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) के दौरान अपने इजराइली समकक्ष गिदोन सार और फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामाडा राबुका से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के साथ भारत के संबंध को और मजबूत बनाने की दिशा में चर्चा की गई। जयशंकर ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राबुका के विचारों को सुनना हमेशा अच्छा लगता है। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया और एक-दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया। भारत और फिजी के संबंध बहुत अच्छे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर अहम मुद्दों को लेकर चर्चा हुई।

इसके अलावा जयशंकर ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से भी भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की। उन्होंने सार के साथ एक्स पर अपनी बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में जयशंकर ने लिखा, पश्चिम एशिया- मध्य पूर्व की वर्तमान स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की ताकत और महत्व को रेखांकित किया।

इससे पहले जयशंकर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, पूर्व अमेरिकी दूत जॉन हंट्समैन, इस्टीटूटो अफारी इंटरनैजियोनाली (आईएआई) के निदेशक नथाली टोसी और यूएई के राजनीतिक मामलों के सहायक मंत्री और यूएई के विदेश मंत्री के दूत लाना नुसेबेह के साथ एक चर्चा में शामिल हुए। विदेश मंत्री ने जर्मन सांसदों जोहान वेडफुल, थॉमस एरंडल और जुर्गन हार्ड्ट एमडीबी से भी मुलाकात की और मजबूत भारत-जर्मनी और भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी में पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों को रेखांकित किया।

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 2025 के दौरान मंगोलिया, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, अर्जेंटीना और रोमानिया के विदेश मंत्रियों और नॉर्वे के वित्त मंत्री के साथ वैश्विक सुरक्षा, लोकतंत्र और आर्थिक सहयोग पर कई बैठकें की। 61वां म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन 14-16 फरवरी को जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित किया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर्स को लेकर अमेरिकी सेना का बड़ा फैसला, ट्रंप के फरमान पर लगाई मुहर

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बल में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिनों बाद, अमेरिकी सेना ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि वह अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगी। अमेरिकी सेना ने यह भी कहा कि वह सेवा सदस्यों के लिए लिंग-पुष्टि देखभाल प्रदान करना बंद कर देगी। एक पोस्ट में कहा गया कि अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को निष्पादित करना या सुविधा देना बंद कर देगी।

यह घोषणा ट्रंप द्वारा 27 जनवरी को आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद आई, जिसमें कहा गया था कि लिंग पहचान व्यक्त करना जो किसी व्यक्ति के यौन संघर्षों के साथ असंगत है÷ सैन्य सेवा के लिए आवश्यक कठोर मानकों को पूरा नहीं कर सकता है। सीबीएस न्यूज के अनुसार, आदेश में पेंटागन को 30 दिनों के भीतर ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों के लिए एक नीति निर्धारित करने का निर्देश दिया गया। अमेरिकी सेना ने कहा कि तत्काल प्रभाव से, लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए जाते हैं, और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन की पुष्टि या सुविधा से जुड़ी सभी अनिर्धारित, अनुसूचित या नियोजित चिकित्सा प्रक्रियाओं को रोक दिया जाता है।

जेंडर डिस्फोरिया एक परेशानी की भावना है जो किसी व्यक्ति के जैविक लिंग और उनकी लिंग पहचान के बीच बेमेल होने के कारण उत्पन्न होती है। अमेरिकी सेना ने यह भी कहा कि लैंगिक डिस्फोरिया से पीड़ित व्यक्तियों ने स्वेच्छा से हमारे देश की सेवा की है और उनके साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाएगा। यह घोषणा तब हुई जब ट्रम्प ने अपने पुनः चुनाव अभियान में एक प्रमुख वादा जागृत संस्कृति पर कार्रवाई शुरू करने का वादा किया। वोक नस्लीय और सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करने वालों के लिए एक शब्द है, लेकिन इसका उपयोग रूढ़िवादियों द्वारा प्रगतिशील नीतियों का अपमान करने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान- इमरान खान ने रमजान के बाद आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने अपनी पार्टी से रमजान के बाद एक मजबूत राजनीतिक आंदोलन शुरू करने को कहा है। साथ ही दो वरिष्ठ नेताओं को विपक्षी दलों से संपर्क करने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खान के वकील फैसल चौधरी ने पीटीआई संस्थापक से मुलाकात के बाद अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए यह घोषणा की। चौधरी ने कहा कि इमरान खान ने पीटीआई नेताओं - असद कैसर और उमर अयूब से विपक्षी दलों के साथ संवाद स्थापित करने को कहा। उन्होंने सरकार से उन तथ्यों पर विचार करने का भी आह्वान किया। इसका उल्लेख उन्होंने अपने खुले पत्रों में किया है।

इमरान खान के वकील ने कहा कि जिन पीटीआई नेताओं के खिलाफ कानूनी मामले दर्ज हैं, उन्हें अदियाला जेल में नियंत्रित परीक्षणों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि 9 मई के विरोध प्रदर्शन के बाद पार्टी छोड़ने वालों को कानूनी परिणामों से बचा लिया गया है। फैसल चौधरी ने कहा कि पीटीआई ने खुली सुनवाई के लिए इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने दावा किया कि वकीलों और पत्रकारों को चुनिंदा रूप से अदालत कक्ष में जाने की अनुमति दी गई है। इमरान खान के वकील ने 9 मई 2023 को हुई घटनाओं को झूठा झंडा अभियान बताया।

घटनाओं की जांच के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग की मांग की। उन्होंने आगे कहा, हम संविधान और कानून के तहत न्याय चाहते हैं। हम सैन्य अदालतों पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच की टिप्पणियों से असहमत हैं। फैसल चौधरी ने पाकिस्तान में आर्थिक संकट और मानवाधिकारों के उल्लंघन को उजागर करने के लिए इमरान खान का हवाला भी दिया।

फैसल चौधरी ने इमरान खान के हवाले से कहा, पीटीआई के खिलाफ कार्रवाई में घरों की पवित्रता का उल्लंघन किया गया। बुनियादी मानवाधिकारों को कुचला जा रहा है। मीडिया सेंसरशिप और इंटरनेट प्रतिबंधों के साथ, पाकिस्तान में कौन निवेश करेगा? उन्होंने दावा किया कि पीटीआई को हटाने और पीएम शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद पाकिस्तान को 45 मिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पिछले सप्ताह इमरान खान ने पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल असीम मुनीर को दूसरा खुला पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें इमरान खान ने कहा कि देश और राष्ट्र की बेहतरी के लिए ईमानदारी से सेना प्रमुख (आपको) एक खुला पत्र लिखा था। इसका उद्देश्य सेना और जनता के बीच बढ़ती खाई को पाटना था। हालांकि, प्रतिक्रिया बेहद गैरजिम्मेदाराना थी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना की छवि और जनता और सेना के बीच बढ़ती खाई के संभावित परिणामों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने पत्र के माध्यम से आरोप लगाया कि सरकार को चुनाव पूर्व धांधली के माध्यम से चुनाव परिणामों में हेरफेर करके स्थापित किया गया था।

संभल हिंसा मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संभल । संभल शहर के कोट गर्वी मुहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद हसन और समद को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में एक सर्वेक्षण के दौरान एकत्र हुई भीड़ का हिस्सा होने की बात स्वीकार की। पकड़े गए दोनों लोगों ने पूछताछ में बताया है कि घटना के बारे में सुनने के बाद वे अंजुमन चौराहे पहुंचे जहां मुन्ना के बेटे सुभान सहित भीड़ एकत्र हुई थी। समूह ने कथित तौर पर लोगों को उकसाया, मामले को धार्मिक बातकर उन्हें एकजुट होने का आग्रह किया। इसके बाद, भीड़ हिंदूपुरा खेड़ा नखासा तिराहे की ओर बढ़ी, जहां उन्होंने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलायीं, पथराव कर पुलिस के एक वाहन को आग लगा दी।

कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग लगी है, जिससे स्थिति गंभीर हो गई है। लोकल विशेषज्ञों ने इन आग की घटनाओं के लिए जलवायु कारकों और मानवीय लापरवाही दोनों को जिम्मेदार माना है। आग त्राल और बांदीपोरा के जंगलों में फैली, जहां त्राल क्षेत्र के पिंगलिश इलाके में आग ने भयावह रूप लिया और आसपास के इलाकों तक फैल गई। अनंतनाग और बांदीपोरा जिले के दादू मरहमा इलाके में भी आग लगी। वहीं बांदीपोरा जिले के कुनान गांव में भी जंगल में आग लगने की सूचना है, जिससे लोग चिंतित हैं। अधिकारियों और आपातकालीन टीमों ने स्थिति को काबू में करने के लिए तेजी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, और आग बुझाने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। आग से धुआं दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे आस-पास के इलाकों में घबराहट फैल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय लापरवाही के कारण जंगलों में आग की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कश्मीर में चल रहे सूखे के कारण आग लगने की संभावना बढ़ गई है, और हाल के दिनों में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन अब 28 फरवरी तक बंद

प्रयागराज । महाकुंभ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस बाबत डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा है। स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि अगर भीड़ की हालत ऐसी ही रही तो प्रयागराज संगम स्टेशन को आगे भी बंद रखा जा सकता है। महाकुंभ में शनिवार और रविवार को एक बार फिर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। शाम तक रेलवे स्टेशन से आने और जाने वालों की लंबी कतार देखने को मिली। देशभर के रेलवे स्टेशनों से महाकुंभ को लेकर संगम की ओर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आती दिख रही है। जिसके बाद रेलवे ने इमरजेंसी प्लान के लिए 24 घंटे तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। वीकेंड पर आई भीड़ को देखते हुए रेलवे सतर्क है।

राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर 1.80 लाख की ठगी, केस दर्ज

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी की जा रही है। यहां महाराष्ट्र की बुजुर्ग महिला श्रद्धालु को वीआईपी दर्शन कराने का झांसा देकर कर्नाटक के एक जालसाज ने 1.80 लाख रुपये ठग लिए। अयोध्या पहुंचने पर ठगी की जानकारी हुई तो पीड़ित ने कोतवाली अयोध्या में मुकदमा दर्ज कराया है। महाराष्ट्र के दीन दयाल नगर, ठाणे, विष्णुनगर हांविवली निवासी कविता शेट्टी ने कोतवाली अयोध्या में दर्ज एफआईआर में बताया कि सुरेश आचार्य नामक एक व्यक्ति उनके ऑफिस में मिलने आया था। उनकी मां कस्तूरी शेट्टी से भी उसने मुलाकात की और उन्हें तीर्थ यात्रा का झांसा दिया। पीड़ित ने बताया कि वह आचार्य है और कर्नाटक का डिप्टी स्पीकर का करीबी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसके दोस्त हैं। वह उन्हें अयोध्या में दर्शन के लिए वीआईपी पास दिला देगा। इसके लिए उनसे 1.80 लाख रुपये लिए। रास्ते में उसने टोल टैक्स भी नहीं देने दिए। उसने ड्राइवर को धमकाया और स्वयं को सांसद बताया। अयोध्या पहुंचने पर पता चला कि उसके पास कोई पास नहीं है। बल्कि वह एक जालसाज है, जो बुजुर्ग आदमियों को ठगता है। उनके पिता सुरेश ने उसे पैसे का हिसाब मांगा तो उसने उनकी पिटाई कर दी। उनके वाहन चालक अंकित को भी धमकाया। आरोपी कर्नाटक के बेंगलुरु का रहने वाला है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है।

दुर्घटना में घायल किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया

बेंगलुरु । पंजाब के पटियाला में एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कर्नाटक के किसान नेता कुरुबुरू शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। शांताकुमार को पंजाब से उपचार के लिए बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, सीएम सिद्धरमैया ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटियाला में तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में शांताकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही सिद्धरमैया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया जाए।

दिल्ली में 20 फरवरी को रामलीला मैदान में होगा शपथ ग्रहण, कौन सीएम अभी पता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित कर दी गई है। शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को शाम 4.30 बजे रामलीला मैदान में आयोजित होगा। इस मौके पर करीब 30 हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। शपथ ग्रहण के लिए 3 मंच बनाए जाएंगे, जिसमें एक बड़ा मंच (40 बाई 24 का) और दो छोटे मंच भी तैयार किए जा रहे है। मंच पर करीब 100-150 कुर्सियां रखी जाएगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की भारी जीत के बाद, दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तारीख और नाम को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। अब बीजेपी के सूत्रों से समारोह की तारीख और समय की जानकारी दे दी है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

सीएम की रेस में ये नाम शामिल

दिल्ली में सीएम बनने की रेस में सबसे आगे प्रवेश वर्मा का नाम है। उन्होंने नई दिल्ली सीट पर आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को हराया है, इसकारण उनका नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं दूसरा नाम आशीष सूद का है। जो कि दिल्ली भाजपा के महासचिव और जनकपुरी विधायक बने है। वहीं दिल्ली में बीजेपी इस बार महिला चेहरे पर भी दाव लगा सकती है। इसकारण रेस में रेखा गुप्ता का नाम भी आ रहा है। रेखा शालीमार बाग से विधायक बनी है। वहीं विजेंदर गुप्ता, जो कि रोहिणी विधायक और दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता।

इसके अलावा सतीश उपाध्याय का नाम भी इस रेस में शामिल है। वे मालवीय नगर से विधायक और दिल्ली में प्रमुख ब्राह्मण चेहरा। इसके अलावा जितेंद्र महाजन का नाम भी सुर्खियों में हैं वे वैश्य समुदाय से, आरएसएस के मजबूत प्रतिनिधि। इस रेस में दूसरी महिला विधायक शिखा रॉय का नाम भी चल रहा हैं वे ग्रेटर कैलाश से जीतने वाली महिला चेहरा।

बात दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 70 में से 48 सीटें जीतीं, जबकि आप को केवल 22 सीटें मिलीं। यह बीजेपी की दिल्ली में 1993 के बाद पहली बार सरकार बनाने की संभावना को उजागर करता है।

राम मंदिर में टूटा दान का रिकॉर्ड, एक साल में आये 700 करोड़

अयोध्या । अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की बाद यहां पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा हुआ है। देश विदेश से हर रोज बड़ी संख्या में भक्त रामनगरी अयोध्या में दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं के रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बनाने के साथ राम मंदिर की आय में भी तेजी से इजाफा हुआ है। वर्तमान में यह देश के तीसरी सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले मंदिरों में से एक है। बीते साल 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, इसके बाद बीते एक सालों में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या दर्शन पूजन के लिए पहुंच चुके हैं। इस दौरान मंदिर सालाना आय भी 700 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है। राम मंदिर ने सालाना आय के मामले में स्वर्ण मंदिर (अमृतसर), वैष्णो देवी मंदिर (जम्मू कश्मीर) और शिरडी साई मंदिर (शिरडी महाराष्ट्र) को पीछे छोड़ दिया है। यह आंकड़े बीते साल जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक के हैं। रामनगरी दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की वजह से दान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। महाकुंभ में स्नान के बाद लाखों श्रद्धालु रामनगरी पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना करीब चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं, जिससे दान में भारी वृद्धि देखी जा रही है। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, दस काउंटरों पर प्रतिदिन 10 लाख रुपये से अधिक चढ़ावा आ रहा है।

महाराष्ट्र में जीबीएस से चिंता बढ़ी, कोल्हापुर में तीसरे मरीज की मौत, राज्य में मरने वालों की संख्या 13 हुई

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बढ़ते प्रकोप ने चिंता बढ़ा रही हैं। राज्य में जीबीएस रोग तेजी से फैल रहा है। पुणे, सोलापुर, मुंबई, नागपुर, धुले के बाद अब कोल्हापुर में भी इस बीमारी ने नागरिकों का डर बढ़ा दिया है। खबर है कि कोल्हापुर में जीबीएस रोग से एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। कोल्हापुर में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 3 हो गई है। इससे कोल्हापुर में इस समय भय व्याप्त है। जानकारी के अनुसार कोल्हापुर के राजारामपुरी स्थित शाहूमिल कॉलोनी में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले रेंदाल धोनेवाड़ी में रहने वाले एक बुजुर्ग की जीबीएस के कारण मौत हो गई थी। उनका कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस बीच, कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में 5 जीबीएस मरीजों का इलाज चल रहा है। उनमें से एक वेंटिलेटर पर है। उधर राज्य में जीबीएस के कारण मरने वाले मरीजों की संख्या 13 तक पहुंच गई है। शनिवार को सांगली में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। जीबीएस रोग के कारण सबसे अधिक मौतें पुणे में दर्ज की गई हैं। इस बीच, नागपुर में जीबीएस का एक और मरीज पाया गया है। एक 7 वर्षीय बच्चा इस बीमारी से संक्रमित हो गया है। नागपुर मेडिकल कॉलेज में एक महीने में 10 मरीज पंजीकृत हुए हैं। इनमें से 5 मरीज नागपुर, दो मरीज मध्य प्रदेश और तीन मरीज अन्य जिलों के हैं। 16 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आए 10 मरीजों में से 2 की मौत हो गई और 4 को छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल तीन मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस आप से भिड़ी और उसे हराया, अब महाराष्ट्र में उद्धव सेना से होगी जंग

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने अपनी सियासी चाल में बदलाव किया है। अब उसका उदेश्य भाजपा से ज्यादा भाजपा विरोधी दलों को हराने का है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी कुछ तरह का मामला दिखाई दिया। कुछ इसी तरह की महाराष्ट्र में स्थित बनती नजर आ रही है। यहां नगरीय निकाय के चुनाव होना है और इसकी तैयारी भी शुरु हो गई है। ऐसी ही तैयारियों के चलते उद्धव ठाकरे ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में इसके चलते दरार की स्थिति पैदा हो गई है। उद्धव ठाकरे सेना ने दिल्ली की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। उद्धव सेना का कहना है कि आम आदमी पार्टी तो गठजोड़ चाहती थी, लेकिन कांग्रेस ने ही उसे भाव नहीं दिया। अंत में दोनों दल अकेले चुनाव लड़े तो करारी हार हुई। अरविंद केजरीवाल और आदित्य ठाकरे के बीच हुई बातचीत के हवाले से उद्धव सेना ने यह दावा किया है। संजय राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना के लिए लिखे एक आर्टिकल में यह दावा किया है।

सवाल यह है कि कांग्रेस को लेकर उद्धव सेना का यह आक्रामक रुख क्यों है। इसकी वजह स्थानीय निकाय के चुनाव माने जा रहे हैं। कुछ समय बाद ही महाराष्ट्र में मुंबई समेत कई शहरों के निकाय चुनाव होने हैं। ऐसे में सीटों को लेकर खींचतान से पहले उद्धव सेना कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश में है। एनसीपी का जनाधार मराठवाड़ा के ग्रामीण इलाकों में माना जाता है। ऐसे में स्थानीय निकाय को लेकर उद्धव सेना और कांग्रेस के बीच ही खींचतान होगी। ऐसी स्थिति में उद्धव सेना पहले ही प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने लगी है। बीते सप्ताह ही आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी से मुलाकात की थी।संजय राउत ने लिखा कि अरविंद केजरीवाल ने बताया कि कांग्रेस तो भाजपा की बजाय उन्हें ही हराने की ज्यादा इच्छुक थी। संजय राउत ने लिखा, अरविंद केजरीवाल ने हमें जो

जानकारी दी। वह कांग्रेस को एक्सपोज करने वाली थी। हमने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि आखिर आपने कांग्रेस के साथ चुनाव में गठबंधन क्यों नहीं किया। इस पर केजरीवाल ने कहा कि यह बात गलत है कि हमने साथ नहीं लिया। हम तो उनके साथ गठजोड़ के पूरी तरह पक्ष में थे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'यह सही नहीं है। हम कांग्रेस से गठजोड़ के पक्ष में थे। मैं जब जेल में था तो हरियाणा के चुनाव हुए थे। हरियाणा चुनाव की कमान संभाल रहे राघव चड्ढा मुझसे जेल में मिलने आए तो मैंने कांग्रेस के साथ गठजोड़ की बात की और कहा कि आप सीटों पर फैसला लें।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने हरियाणा की 14 सीटों की सूची कांग्रेस को दी, जो हम लड़ना चाहते थे। फिर राहुल गांधी से वार्ता हुई और कांग्रेस ने 6 सीटें देने पर ही सहमति जताई। राघव ने जब यह बात मुझे कही तो मैंने कहा कि 6 सीटों पर ही राजी हो जाएं। इसके बाद फिर जब संपर्क साधा गया तो राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से बात करने को कहा। जब वेणुगोपाल से बात की गई तो वह 4 सीट पर आ गए और दीपक बाबरिया से बात करने को कहा। राघव ने फिर मुझसे मुलाकात की तो मैंने 4 सीटों पर ही राजी होने को कह दिया। इसके बाद कांग्रेस 2 सीट पर ही आ गई। हम 2 पर राजी हुए तो वे सीटें भाजपा के गढ़ वाली दी जाने लगीं। फिर हमने अलग रास्ता अपना लिया। केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस की इच्छा यही रही कि भाजपा की बजाय पहले हमें ही हरा दिया जाए, जबकि मैं मोदी से लड़ रहा हूं।

फडणवीस और शिंदे के बीच कोल्ड वॉर, ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा

सीएम ने बताया सामान्य प्रक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महायुति को बंपर बहुमत मिलने के बावजूद बीजेपी और शिवसेना के बीच का कोल्ड वॉर थम नहीं रहा है। ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दरअसल, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री सहायता डेस्क और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क की स्थापना की थी, इसके जबाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क बनाकर दिया।

महाराष्ट्र के मंत्रालय भवन के सातवें फ्लोर पर यह सत्ता संघर्ष साफ दिख रहा है। फडणवीस का वार रूम जहां प्रमुख परियोजनाओं और महत्वपूर्ण बैठकों पर नजर रखता है, वहीं शिंदे ने पास में एक समन्वय समिति कक्ष बनाया है, जहां वे महाराष्ट्र की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं। इस संघर्ष को लेकर जब फडणवीस से सवाल पूछा गया, तब उन्होंने शिंदे के रुख को सामान्य बताकर कहा कि इसमें कुछ गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह राज्य के डिप्टी सीएम थे, तब उनका कार्यालय भी

मुख्यमंत्री के कार्यालय के पास था और महाराष्ट्र सरकार सुचारू रूप से चल रही है।

इस पूरे मामले पर शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि दो अलग-अलग कार्यालयों का होना राज्य परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने मददगार साबित हो सकती है। इसके पहले, शिंदे को आपदा प्रबंधन समिति में शामिल नहीं किया गया था, जिसपर उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। बाद में नए नियम बनाए गए और उन्हें समिति में शामिल किया गया।

रायगढ़ और नासिक जिलों के गार्जियन मंत्रियों की नियुक्तियों को लेकर भी विवाद जारी है। फडणवीस ने शिंदे गुट के विधायकों के विरोध के बाद इन नियुक्तियों को स्थगित किया था। शिंदे गुट ने महाराष्ट्र सरकार में शक्ति और संसाधनों के बंटवारे को लेकर खुले तौर पर असंतोष जाहिर किया है।

सैम पित्रोदा का बयान, गलवान के शहीदों का अपमान

-कांग्रेस पर हमलावर बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान को गलवान के शहीदों का अपमान बताया है। दरअसल कांग्रेस के करीबी राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है और यह धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ शक्तियां भारत के विकास को प्रभावित करने में लगी हुई है। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने सोमवार को चीन को लेकर जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार अंकल सैम ने दिनदहाड़े कर दिया है।

सांसद त्रिवेदी ने कहा, गंभीर बात ये है कि जिस प्रकार की बात पित्रोदा ने कही है, वे बातें भारत की अस्मिता, कूटनीति और भारत की संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है उन्होंने (पित्रोदा) कहा है कि चीन के साथ किसी प्रकार का विवाद ही नहीं है, यानी भारत ही आक्रामक मुद्रा लिए हुए है? भारत सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व के हर देश के साथ अच्छे और सौहार्दपूर्ण संबंध चाहती है। लेकिन, राष्ट्रीय स्वाभिमान, सुरक्षा और सुदृढ़ता हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा नेता ने कहा कि इसके पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कई बार इस तरह का बयान दे चुके हैं। राहुल गांधी ने एक विदेशी दौरे में कह दिया था कि चीन ने बेरोजगारी को कम करने में अच्छा काम किया है। पित्रोदा के बयान को उन्होंने गलवान के शहीदों का अपमान बताया। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने पूछा, क्या यह गलवान के शहीदों का अपमान नहीं है? गलवान में हमारे सैनिक शहीद हो गए। लेकिन, इसके बावजूद अगर कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख इस तरह की भाषा बोलता है, तब यह निंदनीय है। यह भारतीय सेना के बलिदान का घनघोर अपमान है।

चीनी प्रतिबंधित ड्रोन उड़ाकर भारतीय ड्रोन इंडस्ट्री पर सवाल उठा रहे राहुल गांधी: स्मित शाह

मोदी सरकार ने ड्रोन की अहमियत पहचान कर ड्रोन नियम बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया वीडियो पर ड्रोन फेडरेशन इंडिया (डीएफआई) के अध्यक्ष स्मित शाह ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। दरअसल राहुल गांधी ने वीडियो में कहा था कि भारत में ड्रोन तकनीक में कोई विकास नहीं हो रहा है और प्रधानमंत्री मोदी को इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने इस वीडियों में दावा किया था कि भारत के प्रतिद्वंदी देशों के पास ड्रोन तकनीक में भारत से कही अधिक क्षमता है।

डीएफआई के अध्यक्ष शाह ने राहुल गांधी के बयान को गलत और तथ्यहीन बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2021 में ही ड्रोन तकनीक की अहमियत को पहचानकर ड्रोन नियम 2021 लाए थे, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में भारतीय ड्रोन इकोसिस्टम में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इसके अलावा, भारत में 400 से अधिक कंपनियां हैं जो विभिन्न प्रकार के ड्रोन तैयार कर रही हैं, और 50 से अधिक कंपनियां ड्रोन के कंपोनेंट्स जैसे बैटरी, मोटर, प्रोपेलर आदि का निर्माण करती हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने हाथ में एक चीनी ड्रोन लिया हुआ था, जिसका आयात भारत में प्रतिबंधित है, और उन्होंने इस ड्रोन को संभवतः बिना किसी परमिशन के उड़ाया। उन्होंने सवाल उठाकर कहा कि क्या राहुल गांधी के पास ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट था और क्या उन्होंने दिल्ली में स्थित रेड जोन में ड्रोन को उड़ाने के लिए उचित अनुमति ली थी।

डीएफआई के अध्यक्ष शाह ने कहा कि 2021 में सरकार ने उद्योग और शिक्षा जगत से मिले फीडबैक के आधार पर ड्रोन नियम लाए थे और इससे भारतीय इकोसिस्टम को काफी फायदा हुआ है, जिससे करीब 1700-1800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू उत्पन्न हुआ है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 20 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया और विदेशी ड्रोन कंपनियों के सीधे आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इन सब प्रयासों का उद्देश्य भारत को 2030 तक वैश्विक ड्रोन हब बनाना है।

शाह ने राहुल गांधी से आग्रह किया कि केवल आलोचना करने से बदलाव नहीं आएगा। यदि बदलाव लाना है, तब हमें ड्रोन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग और सरकार की भूमिका पर ठोस सुझाव देने की जरूरत है।